पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 166

ग्वालियर, गुरूवार, 5 अगस्त, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

वन-टू-वन

सागर में कार डंपर की भिड़ंत में तीन की मौत

उज्जैन। सागर जिले के राहतगढ़ थाना क्षेत्र के सिहोरा के पास मंगलवार रात कार और ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे में कार में सवार तीन युवकों को मौत हो गई। वहीं 6 युवकों को मामूली चोटें आई हैं। मृतक रहली क्षेत्र के रहने वाले थे। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। खमरिया निवासी योगेंद्र सिंह ठाकुर, रहली वार्ड नंबर 9 निवासी अर्पित ठाकुर और रहली पंढ़लपुर वार्ड नंबर 9 निवासी शुभम साहू अपने दोस्तों के साथ महाकाल के दर्शन करने गए थे। मंगलवार को सभी 9 दोस्त कार से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सागर-राहतगढ़ मार्ग पर सिहोरा के पास ट्रक से कार से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि योगेंद्र, अर्पित और शुभम की मौत हो गई। बुधवार सुबह तीनों का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं कार सवार इशांत तिवारी, सूर्या वर्मा, अनुज मुदगल, अंशुल ठाकुर, धर्मेंद्र यादव, मोहित चौबे को मामूली चोटें आई हैं। सभी दोस्तों ने हादसे के कुछ घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर ग्रुप फोटो पोस्ट किया था।

प्रदेश में डराता कोरोना संक्रमण!

चार दिनों में बढ़े 32 प्रतिशत मामले

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में कोरोना के बढ़ते नए मामले चिंता बढ़ा रहे हैं। पिछले चार दिनों में प्रदेश में कोरोना के नए केस की संख्या लगभग 32 प्रतिशत बढ़ गई है। हालांकि संख्या में यह अभी भी बहुत कम है। प्रदेश में पिछले चार दिन के नए संक्रमितों में 25त्न से ज्यादा मामले अकेले सागर जिले में मिले हैं। वहीं, संक्रमण की जद में आने वाले जिलों की संख्या भी बढ़कर 9 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के हेल्थ बुलेटिन के अनुसार 31 जुलाई से 3 अगस्त तक चार दिनों में प्रदेश में कुल 74 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि 27 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रदेश में 56 नए मरीज मिले थे। भोपाल, जबलपुर, इंदौर जैसे बढ़े शहरों के साथ ही दमोह, बढ़वानी, राजगढ़, बैतूल, शिवपुरी, सतना जैसे जिलों में भी संक्रमण के मामले मिल रहे हैं, जबकि 24 जुलाई को प्रदेश में कोरोना संक्रमण सिर्फ चार जिलों तक था और सिर्फ 6 नए संक्रमित मिले थे। अब धीरे-धीरे कोरोना के साथ ही नए पॉजिटिव मिलने वाले जिलों की संख्या बढ़ने से चिंता बढ़ते जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक कार्यक्रम में प्रदेश में कोरोना के नए मामले 6 से 18 पर पहुंचने पर चिंता जताई थी। मुख्यमंत्री ने लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि कोरोना भले ही नियंत्रण में हो, लेकिन निश्चिंत नहीं हो सकते, क्योंकि संक्रमण तेजी से बढ़ता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराने के लिए लगातार जागरूकता और टेस्टिंग पर फोकस किया जा रहा है। उनका कहना है कि टेस्टिंग के कारण ही प्रदेश में संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि कई एजेंसियां अगस्त-सितंबर में तीसरी लहर आने की संभावना जता चुकी है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगवाना चाहिए।

प्रदेश में बाढ़ से हालात बेकाबू

श्योपुर, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, दतिया, गुना और ग्वालियर के 1225 गांवों से 5800 लोगों को रेस्क्यू गया किया

सीएम ने कहा- संकट बड़ा है, सेना की मदद ले रहे

भोपाल

मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल में बाढ़ से हालात बेकाबू हो गए हैं। अभी तक 7 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, 25 लोग लापता हैं। जिनकी तलाश रेस्क्यू टीम कर रही हैं। श्योपुर, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, दतिया, गुना और ग्वालियर में नदियों के किनारे बसे 1225 गांवों से 5800 लोगों को रेस्क्यू किया। दतिया में बड़ी आबादी वाले कस्बे सेंवढ़ा को बाढ़ के खतरे के कारण खाली करा लिया गया है। शिवपुरी के 100 से ज्यादा गांव खाली करवाए गए हैं। मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया का कहना है कि करीब 2 हजार लोग शिवपुरी में फंसे हुए हैं। पूरे अंचल में बाढ़ का केन्द्र शिवपुरी बना हुआ है। इसके अलावा ग्वालियर-चंबल अंचल में 2000 से ज्यादा लोग प्रशासन से मदद की आस लगाए बैठे हैं। मंगलवार रात से ही सेना के 4 अलग-अलग दलों ने मोर्चा संभाल लिया है। ष्टरूने भी कहा है कि संकट बहुत बड़ा है और सेना की मदद ले रहे हैं। बता दें मुख्यमंत्री आज चंबल क्षेत्र का हवाई सर्वे भी करेंगे। बुधवार को ष्टरू शिवराज सिंह भोपाल से ग्वालियर पहुंच रहे हैं। यहां ग्वालियर एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से वह श्योपुर-शिवपुरी में एरियल सर्वे करेंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो बार मुख्यमंत्री से चर्चा का हालात पर बात कर चुके हैं। आधी रात तक मुख्यमंत्री अफसरों से हालात पर बैठक की।

एक सप्ताह से लगातार बारिश और बांधों के ओवरफ्लो होने के बाद नदियों में छोड़े गए पानी ने ग्वालियर-चंबल अंचल में हालात काबू से बाहर हो गए हैं। सबसे ज्यादा शिवपुरी, श्योपुर, दतिया और ग्वालियर जिले प्रभावित हुए हैं। शिवपुरी के करैरा, पोहरी विधानसभा के 100 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। ग्वालियर के शिवपुरी से लगे भितरवार और मोहना में भी स्थिति खराब है। सिंध, पार्वती, कूनो, नोन नदियों के किनारे बसे कई गांव पानी में डूब गए हैं।

शिवपुरी: 1600 लोग अब भी फंसे

यहां करीब 1600 से ज्यादा लोग अभी भी राहत की उम्मीद में यहां-वहां फंसे हुए हैं। करीब एक सैकड़ा से ज्यादा गांव पानी के कारण खाली करा लिए गए हैं। यहां 4 लोगों के मरने की पुष्टि की गई है। करीब 25 लोग लापता हैं, जिनका अभी तक कुछ पता नहीं है। कई गांव के गांव डूब गए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों जैसे मैरिज गार्डन, शासकीय स्कूल में राहत कैंप बनाकर मदद की जा रही है। सबसे ज्यादा हालत शिवपुरी में खराब है। यहां के हालातों पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की सीधी नजर है। मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात मुख्यमंत्री लगातार चारों शहरों के कलेक्टर, संभागीय आयुक्त और आईजी से चर्चा कर पल-पल की अपडेट लेते रहे हैं।

श्योपुर: एक-एक मंजिल तक पानी में डूबी

श्योपुर में 4 दिन से बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। बांवदा नाला उफान पर आने के बाद श्योपुर शहर का संपर्क कराहल से कट चुका है। सीप नदी में उफान के बाद बाद सोईकला, मानपुर, सवाई माधौपुर, रूट से भी संपर्क टूट गया है। क्वारी नदी के किनारे इकलौद गांव में फंसे 9 लोगों को पास के एक अन्य गांव में फंसे 25 लोगों को प्रशासन ने बाहर निकाला है। रघुनाथ पुर में तालाब फटने से 3 गांव जलमग्न हो गए हैं और यहा के 150 लोगों को प्रशासन ने तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर गांव खाली कराया है।

दतिया: सेंवढ़ा कस्बे को खाली कराया जा रहा है

यहां सिंध नदी के उफान ने तबाही मचा रखी है। गोराघाट के पास सिंध नदी पर बना लांच का पुल बह गया है। यहां करीब 18 फीट पानी बह रहा है। इसी तहर रतनगढ़ मंदिर के पास का पुल भी पानी में डूब गया है। करीब 50 गांवों में लोग फंसे हुए हैं। जिले के सबसे बड़े कस्बे सेंवढ़ा को खाली कराया जा रहा है।

बदरवास में रेस्क्यू किए 20 लोग

शिवपुरी के बदरवास के घुरवार गांव के पास सिंध नदी के किनारे खेतों पर रह रहे कुछ परिवार एक तरफ नदी से और दूसरी तरफ नाले के बीच फंस गए थे। इन परिवारों के करीब 20 लोगों को 48 घंटे बाद मंगलवार शाम एनडीआरएफ की टीम ने नाव से रेस्क्यू कर लिया। रेस्क्यू किए गए लोगों को घुरवार के स्कूल में ठहराया गया है।

अतिवृष्टि से प्रदेश के 1171 गांव प्रभावित: मुख्यमंत्री

भोपाल (ए)। अति वृष्टि और बाढ़ से प्रदेश के शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, ग्वालियर, भिंड और रीवा में लगभग 1171 गांव प्रभावित हुए हैं। कुल 200 गांव घिरे हुए हैं। एसडीईआरएफ, एनडीईआरएफ की टीम ने लगभग 1600 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। सेना बुला ली गई है। यह जानकारी प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी । श्री चौहान ने जानकारी दी है? कि एयर फोर्स के पांच हेलीकॉप्टरों ने ग्वालियर से आज सुबह उड़ान भरी थी। वे 8 माइल तक गए पर खराब मौसम होने के कारण रेस्क्यू के लिए उतर नहीं सके। मुख्यमंत्री ने प्रभावित गांवों के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वह सतर्क रहें। हम आपकी चिंता कर रहे हैं। राहत शिविर और भोजन की व्यवस्था करने के निर्देश दे दिये गये हैं। अफवाहों पर ध्यान न दें। सभी बांध सुरक्षित हैं, आत्म-विश्वास रखें। सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। प्रभावित क्षेत्रों के लोग हौसला बनाए रखें। मुख्यमंत्री मंत्रालय स्थित सिचुएशन रूम से बाढ़ और अति वृष्टि की स्थिति का अवलोकन और समीक्षा करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम में सुधार होते ही हेलीकॉप्टर फिर राहत और बचाव के

काम के लिए रवाना होंगे। विशेष रूप से शिवपुरी और श्योपुर में 22 गांव घिरे हैं। कल 11 लोगों को एयर फोर्स ने निकाला। एसडीईआरएफ की 70 टीमें और 3 एनडीईआरएफ की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हैं। केंद्र शासन से और टीमें भेजने का अनुरोध किया गया है। चौहान ने कहा कि अति वृष्टि और बाढ़ के कारण विकट स्थिति बनी है। शिवपुरी और श्योपुर में दो दिन में 800 मिली मीटर वर्षा हुई। इस अप्रत्याशित बरसात के कारण बाढ़ की स्थिति बनी है। ऐसा लगा जैसे बादल फट गए। पानी के बहाव के कारण बोट नहीं जा पा रही है। शिवपुरी के बीछी गांव में तीन लोग पेड़ पर अटके थे, जिन्हें सुरक्षित निकाला गया हैं। दूर-दूर तक गाँव खाली हैं। एक पुजारी मंदिर की छत पर घिरे हैं। उनकी चिंता कर रहे हैं। भोजन और राहत के प्रबंध कर रहे हैं। ढाढस बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं और हमारे मंत्री लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एयर फोर्स के श्री सहरावत से चर्चा हुई है।प्रभावित जिलों क्रमशः शिवपुरी, दतिया, ग्वालियर, अशोकनगर के कलेक्टर संपर्क में हैं। मड़ीखेड़ा डेम में पानी अधिक होने के कारण पानी छोड़ा गया था। डेम से पहले 12 हजार 500 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। अब 10 हजार 500 क्यूसेक कर दिया गया है। डेम से पानी छोड़ने से प्रभावित होने वाले गांव के लोगों को सतर्क कर दिया गया है। बारिश का प्रभाव भी कम हुआ है। अब जल्द ही स्थिति सुधरेगी।गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया तथा शिवपुरी के प्रभारी मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया शिवपुरी कंट्रोल रूम से राहत और बचाव कार्यों का समन्वय कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय स्थित सिचुएशन रूम से ग्वालियर-चंबल संभाग के इलाकों में आई बाढ़ को लेकर आपात बैठक की।

उमेश कामत के बीच हुई व्हाट्सएप चैट्स से गिरफ्त में आए राज कुंद्रा

नहीं सोचा नहीं था कि पोर्न केस में हो जाएगी गिरफ्तारी

मुंबई (ए)। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के कारोबारी पति राज कुंद्रा पोर्न फिल्म बनाने के आरोप में गिरफ्तारी हुए है। राज कुंद्रा ने कभी नहीं सोचा था उनके जैसे प्रभावी शख्स कि गिफ्तारी ऐसे हो जाएगी। राज बेखौफ होकर प्लान बी की तैयारियों में जुटे थे। क्राइम ब्रांच के सूत्रों से राज कुंद्रा के दफ्तर में छापेमारी से लेकर उसकी गिरफ्तारी की पूरी सीक्वेंस की

जानकारी मिली। 4 फरवरी को पोर्नोग्राफी रैकेट का भंडाफोड़ करने के दौरान कुल 5 आरोपियों को मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने गिरफ्तार किया। कुछ दिनों की जांच के बाद 4 और आरोपियों की इस मामले में गिरफ्तारी हुई। मुंबई क्राइम ब्रांच की इस बड़ी कार्रवाई के एक सप्ताह बाद ही संदिग्ध कार केस और मनसुख हिरेन हत्याकांड के बाद मुंबई पुलिस सवालों के घेरे में आ गई। इसके बाद तमाम गंभीर आरोप-प्रत्यारोपों के बीच मुंबई पुलिस के मुखिया सहित क्राइम ब्रांच और सिटी पुलिस के तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला हो गया। इस हंगामे के बीच पोर्नोग्राफी मामले की जांच आगे नहीं बढ़ पाई और प्रॉपर्टी सेल ने अप्रैल 2021 में अपनी चार्जशीट दाखिल कर दी, जिसमें राज कुंद्रा का नाम नहीं था।

भव्य तरीके से बना डॉ ब्रजेश राजपूत उर्फ बन्टी नरवरिया का बना जन्मदिन

अमित शर्मा रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर / ब्राह्मणी हॉस्पिटल के संचालक डॉ ब्रजेश राजपूत उर्फ बन्टी नरवरिया का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से बनाया जिसमे सभी ने माला एवम पुष्पगुच्छ एवम केक कटवा कर सभी ने जन्मदिन की शुभकामनाये दी।

संक्षिप्त समाचार

कक्षा 5वीं तथा 8वीं की स्वाध्यायी परीक्षा 17 अगस्त से परीक्षा की समय-सारणी जारी

शिवपुरी। म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 5वीं एवं 8वीं की स्वाध्यायी परीक्षा 17 अगस्त से 24 अगस्त तक की जायेगी।इसके तहत कक्षा 5वीं की 17 अगस्त को प्रातः 8 बजे से 10: 30 बजे तक अंग्रेजी सामान्य, 20 अगस्त को पर्यावरण अध्ययन, 21 अगस्त को हिन्दी विशिष्ट तथा 24 अगस्त को गणित विषय की परीक्षा आयोजित की जायेगी इसी प्रकार कक्षा 8वीं की 17 अगस्त को प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक संस्कृत, 18 अगस्त को विज्ञान, 20 अगस्त को सामाजिक विज्ञान, 21 अगस्त को अंग्रेजी सामान्य, 23 अगस्त को गणित तथा 24 अगस्त को हिन्दी विशिष्ट विषय की परीक्षा आयोजित की जायेगी।

समाज को राजनीतिक हिस्सेदारी के लिये संघर्ष करना चाहिए :बघेल

शिवपुरी। राजनैतिक हिस्सेदारी से ही समाज का विकास संभव है इसलिए समाज बंधुओं को समाज सेवा के साथ साथ राजनीति में भी भाग लेना चाहिये और राजनैतिक दलों से जु?कर

सक्रिय रूप से राजनीति करना चाहिए, यह कहना था अखिल भारतीय पाल महासभा शिवपुरी के जिलादयक्ष एड्वोकेट रामस्वरुप बघेल का। उन्होंने कोलारस में अखिल भारतीय पाल महासभा के कोलारस विधानसभा अद्यक्ष जसवंत बघेल की अद्यक्षता में आयोजित सामाजिक बैठक को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित किया। इस बैठक में बदरवास ब्लॉक अध्यक्ष नारायण सिंह बघेल गणेशखे?ा ने कहा कि जब तक ब्लॉक स्तर पर समाज मजबूत नहीं होगी तब तक समाज को जिलास्तर पर मजबूत नहीं बना सकते। पाल महासभा के उपाद्यक्ष अमरसिंह पाल ने कहा कि समाज को उस राजनैतिक दल का साथ देना चाहिए जो हमारी विचारधारा के अनुरूप काम करें। कोलारस विधानसभा के अध्यक्ष जसवंत बघेल ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी समाजिक संगठन ने सौंपी है मैं उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। कार्यक्रम को युवाध्यक्ष नीरज पाल ने भी सम्बोधित किया, उन्होंने कहा कि युवा समाज का भविष्य हैं उन्हें समाज सेवा में आगे आना चाहिए। इस अवसर पर जिला उपाद्यक्ष श्रीलाल बघेल ने कहा की चुनावों में हमें अपना वोट जरूर करना चाहिए तभी हमारी गिनती होगी। महांमत्री जगन सिंह बघेल ने कहा कि हमें समाज की ल?ाई के साथ साथ पिछ?ा वर्ग की ल?ाई भी ल?ना होगी।

सतनबाड़ा क्षेत्र के 350 सहरिया जनजाति प्रभावित, आवासों में भरा पानी, प्रशासन नहीं ले रहा सुध

शिवपुरी। 31 जुलाई से लगातार हो रही बारिश के कारण लगभग पूरा शहर जलमग्न है ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत सतनवाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 350 सहरिया जनजाति के परिवार बुरी तरह प्रभावित हुए, उनके आवासों में पानी भर गया एवं उनके ठहरने,खाने का कोई इंतजाम नहीं था। मामले की जानकारी जब न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार को पता चला तब पैरा लीगल वालंटियर साबिर खान द्वारा अर्चना सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में उन्हें रेस्क्यू किया गया तथा प्रशासन के सहयोग से उन्हें सतनवाड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों के भवनों में सुरक्षित पहुंचाया गया?। ग्राम वासियों की भोजन व्यवस्था हेतु भी अर्चना सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। यहां बता दें कि प्रशासन ने अभी तक इन लोगों की सुध नहीं ली है जबकि मामले को लेकर कलेक्टर और एसडीएम से सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अर्चनासिंह ने बातचीत की लेकिन अभी तक उन लोगों के पास मदद नहीं पहुंची है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा के बाद ये कहा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने

शिवपुरी।

श्योपुर ओर दतिया जिले के बाढ़ पीड़ित इलाकों से हवाई दौरा कर लौटे प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि शिवपुरी, श्योपुर में नदियों का जलस्तर लगातार कम हो रहा है। लेकिन खतरा अभी पूरी तरीके से टला नहीं है। कई निचले इलाके हैं जहां अभी पानी भरा हुआ है। सरकार की पहली प्राथमिकता सभी को सुरक्षित स्थान पर लाकर उनके रहने और खाने की व्यवस्था करना है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में अतिवृष्टि और बाढ़ से शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, ग्वालियर, गुना, भिंड और मुरैना जिलों के कुल 1225 ग्राम प्रभावित हैं। अब तक श्योपुर जिले के 32 गाँवों से 1500 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। इसी प्रकार शिवपुरी के 90 गाँवों से 2000 और दतिया, ग्वालियर, मुरैना, भिंड के 240 गाँवों से एसडीईआरएफ, एनडीईआरएफ, आर्मी तथा बीएसएफ ने मिलकर लगभग 5,950 लोगों को सुरक्षित निकालने में सफलता प्राप्त की है। अभी तक की जानकारी के अनुसार 1950 लोगों को निकालने के प्रयास जारी हैं। खराब मौसम के कारण कल एयर फोर्स के हेलीकॉप्टर को बचाव कार्य में कठिनाई आ रही थी बुधवार को फिर हेलीकॉप्टरों ने बचाव कार्य शुरू किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्मार्ट पार्क में मीडिया के प्रतिनिधियों से प्रदेश के ग्वालियर-चंबल संभाग में जारी अति वृष्टि और बा? की स्थिति के संबंध में बातचीत कर रहे थे।

श्योपुर जिले में संचार व्यवस्था ठप्प

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिवपुरी और श्योपुर में कल तक ही लगभग 800 मिली मीटर बारिश हो चुकी है। यह अप्रत्याशित स्थिति है। श्योपुर जिले में संचार व्यवस्था पूरी तरह से ठप्प हो चुकी है। दूर संचार मंत्रालय से बात कर व्यवस्थाएँ पुनः स्थापित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। गुना-शिवपुरी के बीच रेल सेवा बंद है। अधोसंरचना को बहुत नुकसान पहुँचा है। पर राहत की बात यह है कि बचाव कार्य निरंतर जारी है। प्रभावितों की जिन्दगी बचाने में हमें सफलता मिली है।

जिला प्रशासन के साथ एनडीईआरएफ, एसडीईआरएफ और सेना सक्रिय

श्री चौहान ने कहा कि एनडीईआरएफ की 3 टीमें पहले से बचाव कार्य में लगी थीं, दो टीमें और आ रही हैं। आर्मी के चार कॉलम और एसडीईआरएफ की 70 से अधिक टीमें जिला प्रशासन के साथ बचाव कार्य में लगी हुई हैं। अब तक एयरफोर्स के चार हेलीकॉप्टर ग्वालियर में और एक शिवपुरी में बचाव कार्य में लगा हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दी जिले भर की जानकारी

श्री चौहान ने बताया कि अब वर्षा कम होने से पार्वती नदी का जल स्तर कम होना आरंभ हुआ है। ग्वालियर में 46 गाँव प्रभावित हैं, 17 रेस्क्यू स्थल बनाए गए हैं और तीन हजार लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। दतिया में सेना पहुँच गई है। जिले के 36 गाँव प्रभावित हैं, 18 रेस्क्यू स्थल बनाए गए हैं, लगभग 1100 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। यहाँ मंदिर में फंसे पुजारी को मोटर वोट भेज कर बचा लिया गया है। सभी मुख्य मार्ग बंद हैं। एनएच-3 भी सुरक्षा की दृष्टि से बंद किया गया है। रतनग? का पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। शिवपुरी में 22 गाँव प्रभावित हुए हैं। बचाव कार्य जारी है, 801 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। श्योपुर में ज्वालापुर, खेरावत, मेवा?ा और जाटखे?ा गाँव पूरी तरह से पानी से घिरे हुए थे। यहाँ जल स्तर घट रहा है। सेना गाँवों तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। पानी अधिक होने और पुलों के क्षतिग्रस्त होने के कारण सेना को रास्ता बनाते हुए आगे ब?ना प? रहा है। लेकिन लोग सुरक्षित हैं। जल स्तर घट रहा है। जीवन को खतरा नहीं है।

चंबल नदी में पानी बढ़ने से भिंड और मुरैना में सर्तकता जरूरी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि चंबल नदी में लगातार पानी ब? रहा है। कोटा बैराज से छो? गये पानी से भी जल स्तर और ब?ेगा। भिंड और मुरैना जिले के लिये यह चिंता का विषय है। इन जिलों के निचले इलाकों में बसे गाँवों को खाली कराने का काम लगातार जारी है। भिंड में 800 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मुरैना में सावधानी के तौर पर गाँव खाली कराये जा रहे हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। सिंध नदी में भी लगातार पानी ब? रहा है।

राहत कैंप और भोजन व्यवस्था के लिए कार्य जारी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राहत के लिए कैंप और भोजन व्यवस्था की जा रही है। मैं निरंतर केंद्र सरकार के संपर्क में हूँ। प्रधानमंत्री श्री मोदी से आज भी फोन पर चर्चा हुई है। उन्हें स्थिति से अवगत कराया गया है। गृह मंत्री श्री अमित शाह से भी चर्चा हुई है।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का किया निरीक्षण ग्रामीणों से की चर्चा

राहत एवं बचाव कार्य का लिया जायजा

शिवपुरी। प्रदेश की कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी भ्रमण पर है। जिले में कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या होने पर उनके द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है और बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बुधवार को बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नरवर क्षेत्र के ग्राम कालीपहाड़ी पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया और ग्रामीणों से चर्चा की। कालीपहाड़ी के आसपास के कुछ गांव में नदी में जलस्तर बढ़ने से जलभराव की समस्या हो गई, जिसके कारण टीम भेजकर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। वहां राहत एवं बचाव कार्य में एसडीआरएफ की टीम लगी है। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने गांव के सरपंच से भी चर्चा की और कहा कि आसपास की गांव में जो लोग हैं उनसे लगातार संपर्क करें और उन्हें गांव से बाहर सुरक्षित स्थान पर आने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीम संयुक्त रूप से लगातार रेस्क्यू कार्य में लगी है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि जलस्तर कम होते ही राजस्व की टीम द्वारा सर्वे किया जाएगा। किसानों को उनके नुकसान में राहत दी जाएगी।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने ली बैठक, शहर में साफ सफाई के दिए निर्देश

खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया अभी शिवपुरी भ्रमण पर हैं। जिले में अधिक वर्षा के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति निर्मित हुई है। जिसके कारण शहर की व्यवस्था प्रभावित हुई है। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बुधवार को नगर पालिका अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने शहर की साफ सफाई व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगरपालिका सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि शहर में कहीं भी गंदगी नहीं दिखना चाहिये। घरों के बाहर कचरा एकत्रित न हो। नगरपालिका पूरी टीम को लगाए और शहर में साफ सफाई करायें। जिन क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति है। उनकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मलेरिया और जलजनित अन्य बीमारियां भी उत्पन्न न हो इसके लिए शहर में छिड़काव करायें।

बैठक में आईजी अविनाश शर्मा, डीआईजी राजेश हिंगणकर, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, नगरपालिका सीएमओ गोविंद भार्गव, सहायक यंत्री उपस्थित रहे।

मड़ीखेड़ा फूटने के बारे में न फैलाए अफवाएं

शिवपुरी।

शिवपुरी जिले में हुई भारी बारिश के कारण अब अफवाहों का भी दौर शुरू हो गया है। कोई पुल टूटने तो कोई नालों की पुलिया टूटने की अफवाह फैला रहा है। इसी तरह एक अफवाह जो कि मड़ीखेडा से संबंधित थी फैलाई जा रही है कि मड़ीखेड़ा का डेम टूट गया है। लेकिन प्रशासन ने कहा कि लोग इस संकट के दौर में इस तरह की अफवाह न फैलाएं। मड़ीखेड़ा डेम सुरक्षित है। डेम टूटने जैसी अफवाहों पर ध्यान न दें। इसका जलस्तर अभी 342.70 मीटर पर है जबकि क्षमता 346.25 मीटर है। जल स्तर बढ़ने की वजह से मड़ीखेड़ा के 10 गेट खुल हैं।

मोहना फोरलेन का नया पुल छतिग्रस्त, पुराने पुल से आवागमन प्रांरभ

नवनीत एक्सप्रेस प्रतिनिधि शिवपुरी।

जिले में पार्वती नदी के रौद्र रूप के चलते हाहाकार मच गया है। जिसके चलते मोहना में फोरलेन पर बना नया पुल अब दिखने लगा है। यह बुरी तरह से छतिग्रस्त हो गया है।जिसके चलते नए पुल से आवागमन को रोक दिया है। इस पुल से आवागमन को रोकने के बाद मोहना के अंदर से गुजरने बाले पुराने पुल से आवागमन को प्रारंभ किया गया है। इसके साथ ही ?ूबत घाटी में पुलिया छतिग्रस्त होने से सिंगल लाइन को चालू रखा है, जिसके चलते ?ूबत घाटी में जाम के हालात बने हुए है।

जिला न्यायाधीश अर्चनासिंह की सजगता से बची 70 लोगों की जान

शिवपुरी।

जिले की करैरा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सीहोर में धंधौली क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवक फंस गया, जिसकी सूचना मुकेश रावत, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दतिया की माध्यम से प्राप्त होते ही अर्चना सिंह जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कलेक्टर एवं कर्नल जयदीप कोले, सीओ, फ्लड रिलीफ कालम से संपर्क स्थापित किया गया तदुपरांत आज दिनांक को उक्त युवक के साथ 70 अन्य लोगों को भी जो कि अन्य स्थानों पर फंसे हुए थे,उन्हें भी स्ढ्ढक्रस्न एवं भारतीय सेना की टीम द्वारा रेस्क्यू किया गया।

तेज बारिश में वह गया भदैयाकुंड, पटिया उखड़ी, खण्डर में बदला कुंड

शिवपुरी।

जिले में हुई बारिश के बाद हाहाकार मच गया है। जिसके चलते शहर के प्रमुख पर्यटक स्थल भदैयाकुण्ड पर पानी से पूरा कुंड खंडर में तब्दील हो गया है। यहां गिरने बाला झरना सहित पर्यटकों के घूमने के स्थानों पर लगी पटिया बह गई है। हालात यह बने है कि इस पर्यटक स्थल को बारिश ने खंडर में तब्दील कर दिया है। इससे सटे हुए टूरिस्ट बिलेज की बाउंड्री भी भरभराकर गिर गई। इसके साथ ही इस कुंड के सीढियां वह गई,रेम्प भी पूरी तरह छतिग्रस्त हो गया। इस कुंड के पास बना ब्रिज टूट गया। इसके साथ ही यहां लगी रेलिंग भी उखड़ कर वह गई। इस कुंड का फर्श भी वह गया है। साथ ही इसमें बने मंदिर में भी पानी घुस गया,जिसके चलते रात्रि में लगभग 1 बजे महाराज रघुवीर पुरी जी ने भागकर अपने और 5 साथियों के प्राण बचाये। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा हैं। मंदिर में पानी घुस आने से मंदिर में रखा खाने पीने के सामान वर्तन के साथ महाराज के 35 हजार रुपये वह गए।

बारिश ने मचाई तबाही हाइवे हुए छतिग्रस्त पलटी मार रहे है ट्रक, सड़क गुणवत्ता पर सवाल

शिवपुरी। बारिश ने इस समय शहर में विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी है। दिलीप बिल्डकॉन द्वारा निर्मित इस हाइवे की हाल ही में हुई बारिश में दुर्गति तस्बीरों से दिखाई दे रही है। हालात यह है कि इस बारिश में मोहना में पार्वती नदी पर बना नया पुल छतिग्रस्त हो गया है। इसके साथ ही जगह जगह हाइवे धसक गया है। ये तस्वीर शिवपुरी के सिहनिवास के पास बना वायपास की है। जहाँ हाइवे धसकने से एक के बाद एक 2 ट्रक इसमें समा गए। इन हादसों ने घटिया निर्माण की पोल खोल दी है। एक तरफ सीएम शिवराज सिंह चौहान शिवपुरी में आई बाड़ को लेकर परेशान है। वही देखना यह होगा कि इस दौरान घटिया निर्माण की पोल खुलने पर दिलीप बिल्डकॉन पर कार्यवाही होती है या नही।

जिले में बाढ़, अतिवृष्टि आपदा नियंत्रण एवं प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

शिवपुरी। जिले में लगातार बारिश के कारण बाढ़, अतिवृष्टि आपदा नियंत्रण एवं प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने अनुविभाग स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए है। अनुविभाग करैरा एवं पिछोर के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एच.पी.वर्मा, अनुविभाग पोहरी एवं कोलारस के लिए अपर कलेक्टर उमेश प्रकाश शुक्ला को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही जिलांतर्गत आने वाले समस्त डेम के जलस्तर की जानकारी हेतु एई मड़ीखेड़ा प्रभाकर सिंह परिहार एवं एसडीओ मड़ीखेड़ा व्ही.पी.कौशिक को नियुक्त किया गया है। उक्त दोनों अधिकारी कार्यालय अधीक्षक, भू-अभिलेख शिवपुरी में बनाए गए कंट्रोल रूम पर अपनी ड्यूटी देंगे एवं समय-समय पर आपदा प्रबंधन शिवपुरी व्हाट्सअप ग्रुप पर उपलब्ध करायेंगे।

कंट्रोल रूम में लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

शिवपुरी। जिले में लगातार बारिश के कारण बाढ़, अतिवृष्टि आपदा नियंत्रण एवं प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए अधीक्षक, भू-अभिलेख शाखा कलेक्ट्रेट शिवपुरी में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।नियुक्त अधिकारियों में प्रातः 6 बजे से 12 बजे तक प्रभारी खनिज अधिकारी सुरेन्द्र पटले, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र एस.आर.सिंह, दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक जिला श्रमपदाधिकारी एस.के.जैन, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक निरंजन श्रीवास्तव, शाम 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक जिला पेंशन अधिकारी एल.एस.अलपुरिया, जिला योजना अधिकारी मुकेश चौरसिया, रात्रि 12 बजे से प्रातः 6 बजे तक मण्डी सचिव आर.पी.सिंह एवं एसडीओ ईएण्डएम पी.के.गुप्ता शामिल है। संबंधित अधिकारी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर शिवपुरी जिले के व्हाट्सअप ग्रुप पर अपनी उपस्थित दर्ज कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

बाढ़ प्रभावित गांव में आर्मी देर शाम आर्मी ने संभाला मोर्चा, नाव निकालकर लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया

चंबल व सिंध नदी के आसपास फसे लोगों को पुलिस, जिला प्रशासन सहित आर्मी निकालने में जुटी, ट्रैक्टर-ट्रॉली में बना रहे खाना

पुलिस अधीक्षक व कलेक्टर ने थानेदारों को किया अलर्ट, ग्रामीणों को पहुंचाएं हर संभव मदद, सीएम ने दिये राहत के निर्देश

भिण्ड। जिले में लगातार चंबल व सिंध नदी का जल स्तर बढ़ने से कई गांव बाढ़ में डूब चुके हैं और लोग गांव में फसे हुए हैं जिन्हें मंगलवार रात से पुलिस फोर्स द्वारा निकालने के लिए रेस्क्यू चलाया जा रहा था, लेकिन फिर भी लोगों को नहीं निकाल पा रहे थे, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने बाहर से आर्मी बुलाई, जिसने देर रात मोर्चा संभाल लिया है और लहार, रौन, अमायन क्षेत्र के आसपास बाढ़ में फसे लोगों को निकालने के लिए आर्मी ने ऑपरेशन शुरु कर दिया है। इसके साथ ही ऊंचे स्थान पर पहुंचकार लोगों को भोजन की व्यवस्था भी करायी जा रही है जिला प्रशासन पूरी दमखम से बाढ़ से राहत पहुंचाने के लिए जुट गया है। जिले के विभिन्न तहसीलो में सिंध, क्वारी, चंबल, बेसली, पहुंज, मृगा एवं झिलमिल नदी में अतिधिक वारिश एवं बांधो से छोडे गए पानी के कारण जल स्तर बढ जाने के कारण 25 ग्राम प्रभावित हुए है।

रेस्क्यू चलाकर प्रशासन ने ग्रामीणों को बाढ़ से निकाला बाहर

ग्रामीणों को प्रशासन द्वारा अभी तक 800 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है। इसके साथ ही बाढ प्रभावित क्षेत्रों में 10 राहत कैम्प प्रारंभ कर दिए गए है। भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील अटेर के प्रभावित ग्राम मुकुटपुरा, नावली वृन्दावन, खेराहट, नखलोली, विण्डपुरा व कोषण की मढैया के व्यक्तियों को सुरपुरा दैपुरिया कॉलेज, शुभम स्कूल विण्डवा तथा उत्कृष्ट विद्यालय अटेर में शिफ्ट किया जा रहा है। इसीप्रकार तहसील अटेर के प्रभावित ग्राम टेहनगुर, जखमोली, खेरा श्यामपुरा, तहसील लहार के पर्रायच, ढीमरनकापुरा, सिजरोली, बेडा, तहसील मिहोना के प्रभावित ग्राम धौहर, मटियावली खुर्द, तहसील रौन के प्रभावित ग्राम कोंध की मडैया, मडवारी छोटी एवं बडी, इन्दुर्खी एवं हिलगवां के व्यक्तियों को शाला भवनों में शिफ्ट किया जा रहा है। तहसील मेहगांव के प्रभावित ग्राम बछरौली के व्यक्तियों को स्कूल भवन मदनपुरा, ग्राम कछार के व्यक्तियों को स्कूल भवन अमायन में, ग्राम सादुरी के व्यक्तियों को सिंघपुरा पंचायत भवन में, ग्राम मुसावली के व्यक्तियों को भारौली कला प्रायवेट कॉलेज में, ग्राम बरैठी खुर्द के व्यक्तियों को पुरा बरेरा स्कूल भवन में एवं प्रभावित ग्राम बछरैटा के व्यक्तियों को कमनपुरा स्कूल में सुरक्षित स्थानों पर भेजा रहा है। अभी तक प्रभावित 25 ग्रामों के लगभग 800 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही बाढ प्रभावित क्षेत्रों में 10 राहत कैम्प प्रारंभ कर दिए गए है एवं बाढ में फसे 15 व्यक्तियों को एसडीआरएफ के द्वारा रेक्सयू करके निकाला जा चुका है एवं 10 लोगों को निकाले जाने की कार्यवाही जारी है।

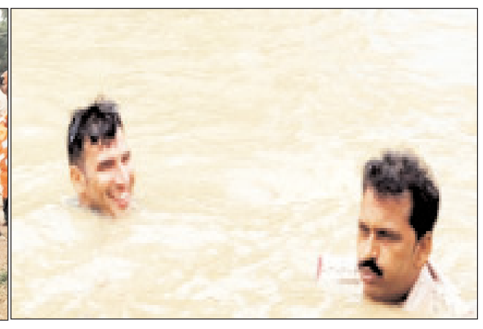

जान जोखिम में डालकर निभाया फर्ज

सिन्ध नदी के बढ़ते हुए जलस्तर ने आसपास के क्षेत्रों में तबाही मचा दी है। नदी के किनारे बसे गांव इंदुरखी बाढ़ से प्रभावित हो गया जिसकी सूचना रौन थाना प्रभारी उदयभान सिंह यादव को मिली तो उन्होंने मौजूदा स्थिति पर पहुंचकर बाढ़ में फंसे लोगों को पुलिस बल से निकलवाया। जब पुलिस बल कमी और बाढ़ पीड़ितों की संख्या अधिक दिखी तो खुद पानी में तैरकर लोगों की जान बचाने पहुंच गए। उन्होंने रेस्कयू टीम की सहायता से इंदुरखी गांव के 60 लोगों को बाढ़ के पानी से निकालते हुए उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया साथ ही उनके खाने पीने एवं रहने का इंतजाम किया। रेस्कयू टीम द्वारा लगातार जान बचाने की कार्यवाही की जा रही है।

बरसात के दौरान आपातकाल में संपर्क करें

कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशन में बरसात को ध्यान में रखते हुये जिला स्तरीय कंट्रॉल रूम स्थापित किया है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 07534-230013, 07534-230023, 07534-4230025 रहेंगे। यह कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित रहेगा।

विधायक संजीव सिंह ने प्रशासनिक अमले के साथ बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों का किया भ्रमण

बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया, भोजन पानी का भी किया इंतजाम

भिण्ड। भिण्ड जिले में चंबल एवं सिंध नदी अपना रौद्र रूप दिखा रही हैं। दोनों नदियों के जलस्तर बढ़ने से नजदीकी जिलों के पुल टूट गए साथ ही बाढ़ जैसे हालत निर्मित हो गए, जिसका प्रभाव भिण्ड जिले में भी दिखा। इन दोनों नदियों का जलस्तर बढ़ने से नदियों के पास स्थित गांव खाली कराए जा रहे हैं। नदियों के किनारे बसे ग्रामों का विधायक संजीव सिंह ने प्रशासनिक के अमले के साथ भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान नदियों का जलस्तर देखा आस पास के क्षेत्रों का मुआयन किया और जो गांव नदी से आयी बाढ़ से प्रभावित हो रहे थे उन्हें खाली करवाकर पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पहुंचाया। उन्हें भोजन एवं रहने के इंतजाम कराने के निर्देश दिए। भ्रमण में उनके साथ कलेक्टर सतीश कुमार, एसपी मनोज कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ जे.के. जैन, एसडीएम उदयसिंह सिकरवार, डीएसपी, तहसीलदार, पटवारी, थाना प्रभारी सहित पुलिस बल मौजूद रहा। विधायक संजीव सिंह ने बताया कि जो गांव बाढ़ से ज्यादा प्रभावित हो चुके हैं उनका सर्वे कराकर शासन से मुआवजा दिलवाया जायेगा। मैंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को मौजूदा स्थिति से अवगत कराया है। बाढ़ पीड़ितों को अस्थायी रूप से उनके खाने एवं रहने के पुख्ता इंतजाम प्रशासन की मदद से करवाये जा रहे हैं। इसके साथ-साथ उन गांव का भी भ्रमण किया गया जो खतरे के श्रेणी में हैं उन्हें भी अलर्ट कराया गया है नदी का जलस्तर थमने का नाम नहीं ले रहा। नजदीकी जिलों के पुल टूटने से लोगों को दूसरे स्थान पर जाने में कठिनाई हो रही है जो लोग बाढ़ में फंस चुके हैं उनके रेस्कयू टीम द्वारा निकालने के प्रयास जारी हैं। शासन, प्रशासन पूरी तरह से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ही लगा हुआ है। बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि सन् 1971 के बाद पहली बार ऐसी भयावय स्थिति देखने को मिली है। नदियों से लगातार रेत खनन होने से नदियां बीस-बीस फुट तक गहरी हो चुकी हैं। मंहादे के पुल का भी जलस्तर बढ़ने से गाड़ियों एक ओर से खाली करवाकर पार हो रही हैं लोगों को पैदल पुल पार करवाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

इन बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण

सिंध नदी के किनारे के गांव टेहनगुर, जखमौली, द्वार, दाह के पुरा, खोंजरा, डुड़ियन, लहरौली, मड़नई, खैरा, श्यामपुरा, ककाहरा का निरीक्षण किया तथा क्वांरी नदी के गांव बघेड़ी, ईगुरी, बगुलरी, कचौगरा, परसौना, मिरचौली, बझाई का मजरा, गुवरिहाई, रमपुरा का मजरा, नागौर गांव, एवं चंबल नदी के किनारे के गांव ज्ञानपुरा बरही को सतर्क किया गया है।

बेसली पुल पर देहात थाना प्रभारी ने संभाला मोर्चा

भिण्ड। सिंध नदी का लगातार जल स्तर बढ़ने से पुल के ऊपर बहने लगा है, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने देहात थाना प्रभारी रामबाबू यादव को दी तो उन्होनें तुरंत बल के साथ मौके पर पहुंचकर रास्ता बंद कराया, इसके साथ गांव में फसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। सुबह से शाम तक थाना प्रभारी पूरी दमखम से लोगों को सुरक्षित बाढ़ से बाहर निकालने के लिए लगे हुए हैं और लोगों को भोजन की व्यवस्था करायी गई।

संक्षिप्त समाचार

महिला से अश्लील हरकत करने पर हुई युवक पर एफआईआर

भिण्ड। गोहद थाना क्षेत्र के वार्ड क्र.5 जेल रोड से एक महिला जा रही थी, इसी दौरान एक युवक ने उसके साथ अश्लील हरकत कर दी, जब उसने विरोध किया तो युवक ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर युवक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार रात 9 बजे वार्ड क्र.5 जेल रोड गोहद निवासी 33 वर्षीय महिला ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि घर के बाहर जेल रोड से वह गुजर रही थी, इसी दौरान उसी मोहल्ला निवासी नवल पुत्र मुन्नासिंह गुर्जर ने उसके साथ अश्लील हरकत कर रहा था, जब उसने विरोध किया तो उसने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बाढ़ में फसी गर्भवती को सुरक्षित बाहर निकाला, भेजा अस्पताल

भिण्ड। सिंध नदी के किनारे बसे ग्राम सीतारामपुरा गांव में नदी का पानी पहुंचने से बाढ़ जैसे हालात बनने लगे हैं, जिसकी जानकारी जब समाजसेवियों को मिली तो वह भी राहत दिलाने के लिए गांव पहुंचकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं, इसी दौरान एक गर्भवती महिला आराधना पत्नी संदीप को समाजसेवी जंट सिंह भदोरिया, सुभाष बाबा ने अपनी जान जोखिम में डालकर गर्भवती को पुल के ऊपर पानी होने के बाबजूद भी पानी में घुस कर निकाल कर अपनी गाड़ी से अस्पताल में भेजकर वहां भर्ती कराया गया है।

मवेशियों के ऊपर झगड़ा, अधेड के साथ मारपीट

भिण्ड। एंडोरी थाना क्षेत्र के ग्राम चंदोखर में एक अधेड़ व्यक्ति भैसों को लेकर जा रहा था, इसी दौरान उसी गांव निवासी तीन लोगों ने एकराय होकर उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपीगणों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

बाढ़ में फसी गर्भवती को सुरक्षित बाहर निकाला, भेजा अस्पताल

भिण्ड। सिंध नदी के किनारे बसे ग्राम सीतारामपुरा गांव में नदी का पानी पहुंचने से बाढ़ जैसे हालात बनने लगे हैं, जिसकी जानकारी जब समाजसेवियों को मिली तो वह भी राहत दिलाने के लिए गांव पहुंचकर लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं, इसी दौरान एक गर्भवती महिला आराधना पत्नी संदीप को समाजसेवी जंट सिंह भदोरिया, सुभाष बाबा ने अपनी जान जोखिम में डालकर गर्भवती को पुल के ऊपर पानी होने के बाबजूद भी पानी में घुस कर निकाल कर अपनी गाड़ी से अस्पताल में भेजकर वहां भर्ती कराया गया है।

भिण्ड विधानसभा क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में

बाढ़ पीड़ित परिवारजनों की हर संभव मदद की जाएगी : नरेन्द्र सिंह

भिण्ड। भाजपा के वरिष्ठ नेता, भिण्ड के पूर्व विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्राकृतिक आपदा के संकट की घड़ी में भिण्ड विधानसभा क्षेत्र के सिंध नदी के किनारे बसे गांवों में भारी बाढ़ आ जाने से अधिकांश गांव जलमग्न हो गए है। क्योंकि सिंध नदी में पानी के अत्याधिक बढ़ जाने से दो दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ गए है। घटना की जानकारी मिलते हीं बाढ़ प्रभावित इलाकों में पूर्व विधायक कुशवाह पहुंचे, जहां उन्होंने वास्तविक स्थिति को देखकर वह चिंतित हुए। भाजपा मीडिया सेंटर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया हैं कि भाजपा नेता पूर्व विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने बाढ़ पीड़ित इलाकों में पहुंचकर पीड़ित परिवारजनों को ढांढस बधाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पल-पल की जानकारी ले रहे हैं और राहत के इंतजामों की व्यवस्था सुनिश्चित करा रहे है। किसी भी प्रकार की कोई भी कसर नहीं छोड़ी जाएगी। राज्य सरकार और प्रशासन व भाजपा कार्यकर्ता पूर्णरूप से अलर्ट हैं। जनसेवा भाव का संकल्प लेकर कार्य कर रहे हैं। जो लोग गांवों में फंसे हैं उन्हें सुरक्षित निकालकर निर्धारित किए गए स्थानों पर पहुंचाया जा रहा हैं। जहां उनके खाने-पानी व ठहरने की भी व्यवस्था कराई जा रहीं है। पूर्व विधायक कुशवाह ने बताया कि सिंध नदी उफान पर है। गांव पूर्णरूप से डूब चुके हैं जिनमें जखमौली, ओझा, टहनगुर, ढूड़ियन, खोजरा, ढ़ोचरा इन गांव में 1971 में बाढ़ आ जाने से पूर्णरूप से डूब गए थे, अब 2021 को फिर वहीं स्थिति देखने को मिली है। लगभग पचास गांव इस प्राकृतिक आपदा से ग्रसित हुए है। पूर्व विधायक कुशवाह ने घटनास्थल से जिला प्रशासन, एसडीएम भिण्ड एवं पुलिस विभाग, राजस्व विभाग के अधिकारियों को मोबाइल पर जानकारी दी और कहा कि राहत कार्य तुरंत शुरू किए जाए। पूर्व विधायक के साथ में जखमौली ग्राम पंचायत के सरपंच जितेन्द्र सिंह, पप्पू सिंह राजावत, जगत बहादुर सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

राज्यमंत्री श्री भदौरिया ने इंदुरखी में पहुंचकर ग्रामीणों से की चर्चा

भिण्ड । नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने ग्राम इंदुरखी पहुंच सिंध नदी में जल स्तर बढ़ने से ग्रामीणों से चर्चा कर आपदा में फंसे लोगों की स्थिति को जाना। इस दौरान कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत जेके जैन सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने कहा कि आपदा में फंसे सभी व्यक्तियों को सुरक्षित एवं सकुशल बाहर निकालने के लिए जिला प्रषासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और उन्होंने ग्रामीणो से कहा कि जो भी व्यक्ति बाढ में फसे हुए है उन सभी व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर निकाल लिया जाएगा ग्रामीणजन घबराने नहीं जिला प्रषासन द्वारा प्रभावितो को निकालने के लिए रेस्क्यू चलाया जा रहा है।

निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में डेढ़ सैकड़ा से ज्यादा लोगों ने कराया नेत्र परीक्षण

गोरमी। गोरमी नगर के पोरसा चौराहे के पास डॉक्टर आरके जैन के आवास पर रतनजोत हॉस्पिटल ग्वालियर के सहयोग से नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस नेत्र परीक्षण शिविर में ग्वालियर से रतनज्योति हॉस्पिटल से डॉक्टर भसीन की टीम ने डेढ़ सैकड़ा से ज्यादा मरीजों की आंखों का परीक्षण किया एवं उनको निशुल्क दवाई भी दी जिन लोगों को मोतियाबिंद की शिकायत है ऐसे मरीजों का ग्वालियर के रतनज्योति आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन किया जाएगा इस अवसर पर नेत्र शिविर के आयोजक डॉक्टर आरके जैन ने कहा किस शोषित पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची समाज सेवा है इस वजह से ही मैं हमेशा इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन समय-समय पर करता रहता हूं और आगे भी इस प्रकार के शिविर आयोजित होते रहेंगे नेत्र परीक्षण शिविर में सुबह 8:00 बजे से ही मरीजों की काफी भीड़ आना शुरू हो गई थी जो कि दोपहर 2:00 बजे तक जारी रही डॉक्टरों ने सभी मरीजों की आंखों का परीक्षण कराया एवं उन्हें आंखों की सुरक्षा के लिए उचित सलाह भी दी।

नदियों में जल स्तर बढने से जिले के 25 ग्राम प्रभावित

- अभी तक 800 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है

भिण्ड । भिण्ड जिले के विभिन्न तहसीलो में सिंध, क्वारी, चंबल, बेसली, पहुंज, मृगा एवं झिलमिल नदी में अतिधिक वारिश एवं बांधो से छोडे गए पानी के कारण जल स्तर बढ जाने के कारण 25 ग्राम प्रभावित हुए है। ग्रामीणों को प्रशासन द्वारा अभी तक 800 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है। इसके साथ ही बाढ प्रभावित क्षेत्रों में 10 राहत कैम्प प्रारंभ कर दिए गए है। भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील अटेर के प्रभावित ग्राम मुकुटपुरा, नावली वृन्दावन, खेराहट, नखलोली, विण्डपुरा व कोषण की मढैया के व्यक्तियों को सुरपुरा दैपुरिया कॉलेज, शुभम स्कूल विण्डवा तथा उत्कृष्ट विद्यालय अटेर में शिफ्ट किया जा रहा है। इसीप्रकार तहसील अटेर के प्रभावित ग्राम टेहनगुर, जखमोली, खेरा श्यामपुरा, तहसील लहार के पर्रायच, ढीमरनकापुरा, सिजरोली, बेडा, तहसील मिहोना के प्रभावित ग्राम धौहर, मटियावली खुर्द, तहसील रौन के प्रभावित ग्राम कोंध की मडैया, मडवारी छोटी एवं बडी, इन्दुर्खी एवं हिलगवां के व्यक्तियों को शाला भवनों में शिफ्ट किया जा रहा है। तहसील मेहगांव के प्रभावित ग्राम बछरौली के व्यक्तियों को स्कूल भवन मदनपुरा, ग्राम कछार के व्यक्तियों को स्कूल भवन अमायन में, ग्राम सादुरी के व्यक्तियों को सिंघपुरा पंचायत भवन में, ग्राम मुसावली के व्यक्तियों को भारौली कला प्रायवेट कॉलेज में, ग्राम बरैठी खुर्द के व्यक्तियों को पुरा बरेरा स्कूल भवन में एवं प्रभावित ग्राम बछरैटा के व्यक्तियों को कमनपुरा स्कूल में सुरक्षित स्थानों पर भेजा रहा है। अभी तक प्रभावित 25 ग्रामों के लगभग 800 व्यक्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही बाढ प्रभावित क्षेत्रों में 10 राहत कैम्प प्रारंभ कर दिए गए है।

वृद्धजनों के बीच केक काटकर मनाया जन्मदिन, बांटे फल

भिण्ड। बुधवार को कांग्रेस के युवा नेता सुनील काँकर ने अपना जन्मदिन निराश्रित भवन में रह रहे बृद्ध जानो के बीच केककाट कर मनाया ओर निराश्रित भवन में मौजूद वृद्धजनों को फल और मिठाई वितरित की और वृद्धजनों ने सुनील काँकर को दीर्घायु का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर सभी मित्रगणों ने फूल माला पहनाकर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर बड़े भाई पत्रकार अनिल चौधरी, पत्रकार दिलीप सोनी, प्रदेश सचिव कांग्रेस आईटी सेल राघवेंद्र काँकर पत्रकार राहुल शर्मा, निकेश शर्मा, संदीप काँकर, दीपू बोहरे, आकाश पारासर, उपेन्द्र तिवारी, ब्रजेश पहलवान, छोटे जारी, सुमित झा, शिवा पुरोहित, मयंक बरुआ आदि लोग उपस्थित रहे।

तीसरी लहर की दस्तक

जिस बात का डर था, वह हो गया है। हमारी लापरवाही और सरकारों की बेफिक्री ने देश को फिर संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है। भारत में कोरोना की तीसरी लहर इस महीने से दस्तक दे सकती है। विशेषज्ञों ने कहा है कि अगस्त के महीने में कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है, जिसमें रोजाना एक लाख कोरोना के मामले सामने आएंगे। इस वक्त देश में हर दिन 40 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। वहीं 550 से ज्यादा लोगों की मौत हो रही है। अगस्त के महीने में शुरू होने वाली तीसरी लहर अक्टूबर में अपने चरम पर जा सकती है। दूसरी लहर में कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हुए केंद्र ने राज्यों से ऑक्सीजन, दवा समेत अन्य जरूरी सामानों को पहले ही उपलब्ध रखने का निर्देश दिया है। हालांकि, कोरोना की तीसरी लहर दूसरी लहर के मुकाबले ज्यादा खतरनाक नहीं होगी, लेकिन सिर्फ इससे इत्मीनान से बैठ जाने की जरूरत नहीं है। दूसरी लहर शुरू हुई थी तो किसी को उसकी भयावहता का अंदाजा नहीं था। रोज 4 लाख नए मामले देखने को मिले थे। शोधकर्ताओं का दावा है कि कोविड-19 मामलों में हो रही बढ़ोतरी कोरोना वायरस महामारी की तीसरी लहर को आगे बढ़ाएगी। एक बार फिर कोरोना ने पांव पसारना शुरू कर दिया है। इसे लेकर स्वाभाविक ही चिंता उभरने लगी है कि कहीं यह तीसरी लहर की आहट तो नहीं। अभी तक देश में कुल संक्रमितों की आधी संख्या महाराष्ट्र और केरल से आ रही थी, अब अकेले केरल से आधे मामले दर्ज होने लगे हैं। चिकित्सा विज्ञानियों का कहना है कि कोरोना का डेल्टा स्वरूप ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। फिलहाल %आर फैक्टर एक फीसद से नीचे नहीं आ रहा। इसकी दर एक फीसद से अधिक होने का अर्थ है कि कोरोना के मामले तेजी से बढ़ सकते हैं। इसलिए इस स्थिति को लेकर अधिक चिंता जताई जा रही है। दूसरी लहर थमने लगी, तभी से तीसरी लहर की आशंका जताई जाने लगी थी। लगातार लोगों को जरूरी एहतियात बरतने को कहा जाता रहा है। अब अमेरिका और यूरोपीय देशों में कोरोना की तीसरी लहर फैलनी शुरू हो गई है, इसलिए भी यहां इसके पांव पसारने की आशंका जताई जाने लगी है। हालांकि विदेशी उड़ानें फिलहाल बंद हैं, पर अपने देश में ही जब कोरोना का डेल्टा स्वरूप बना हुआ है, तो बाहर के बजाय भीतर से इसके संक्रमण का खतरा बना हुआ है। केरल आदि राज्यों में कोरोना पर काबू न पाए जा सकने की कुछ वजहें साफ हैं। दूसरी लहर के धीमी पडऩे के साथ ही जब आंशिक रूप से लॉकडाउन खुलना शुरू हुआ तो लोगों ने मान लिया कि कोरोना का भय समाप्त हो गया है। बाजारों, सड़कों, सार्वजनिक वाहनों में भीड़भाड़ शुरू हो गई। इसमें सरकारों की तरफ से भी लापरवाही बरती गई। ईद के मौके पर केरल सरकार ने बाजार खोले, तो स्वाभाविक ही उसकी चौतरफा निंदा शुरू हो गई थी। उस लापरवाही के नतीजे भी आने शुरू हो गए। ईद के बाद वहां संक्रमण तेजी से बढ़ा है। इसके चलते वहां फिर से लॉकडाउन का फैसला करना पड़ा है। चिकित्सा विज्ञानी कोरोना विषाणु से बचने के लिए कोरोनारोधी टीके लगाने पर जोर देते रहे हैं। टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के लगातार प्रयास भी हो रहे हैं। मगर फिलहाल इससे बचाव का सबसे कारगर तरीका भीड़भाड़ से बचना, नाक-मुंह ढंक कर रखना, हाथ धोते रहना, यानी कोरोनोचित व्यवहार का पालन करना ही है। इसी मामले में ज्यादा लापरवाही देखी जा रही है। यह ठीक है कि काम-धंधे बंद करके नहीं रखे जा सकते, मगर जीवन के साथ लापरवाही बरतना भी कोई समझदारी की बात नहीं। सरकारों के लिए हर समय लोगों पर निगरानी रखना संभव नहीं है। महानगरों में पुलिस जरूर कुछ हद तक नाक-मुंह न ढंकने वालों पर जुर्माना लगा कर उन्हें सबक सिखाने का प्रयास करती देखी जाती है, मगर छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में ऐसा करना संभव नहीं हो पाता। पर केरल की तरह शिथिलता को किसी भी रूप में उचित नहीं माना जा सकता।

आम आदमी की आवाज बुलंद करते एंग्रीमैन पम्मा

योगेश कुमार गोयल

तीखे तेवरों के साथ आम आदमी की आवाज को बुलंद करने के लिए विख्यात नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा वैसे तो विगत 25 वर्षों से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रामलीला मैदान सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर धरने-प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन ज्यादा चर्चा में वह उस समय आए थे, जब 2015 में एक प्रमुख सोशल मीडिया साइट ने देशभर में कराए एक व्यापक सर्वे के बाद उन्हें 'देश का सबसे गुस्सैल आदमी' का खिताब दिया था। उस समय बीबीसी सहित देश के तमाम बड़े मीडिया समूहों ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। बीबीसी ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में लिखा था, ''बीबीसी ने आखिरकार सबसे गुस्सैल आदमी को खोज निकाला और यह व्यक्ति हैं परमजीत सिंह पम्मा, जो 'दिल्ली की सड़कों पर विरोध की आवाज' हैं और कुछ वर्षों से तमाम तरह के मुद्दों पर दिल्ली की सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन करते रहे हैं।''

महज पांच फुट के छोटे से कद के पम्मा पिछले 25 वर्षों से आतंकवाद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने के अलावा देश के आम लोगों की आवाज बनकर भी उभरे हैं। पैट्रोल, डीजल, रसोई गैस की बढ़ती कीमतें हों या फल-सब्जियों के आसमान छूते दाम अथवा टीवी पर बढ़ती अश्लीलता या जन-सरोकारों से जुड़े ऐसे ही अन्य मुद्दे, वह सदैव हर राजनीतिक दल की सरकार के खिलाफ आम आदमी के हक में उनकी आवाज बनकर सामने आए। समाज से सामाजिक बुराईयों के निवारण के लिए वह हमेशा प्रयासरत रहे हैं। बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचाने के लिए उन्होंने पब्जी सहित अन्य ऑनलाइन खेलों को बंद करवाने के लिए भी आवाज बुलंद की। हालांकि 25 साल पूर्व वर्ष 1996 में उन्होंने सिख राजनीति में पैर जमाने के लिए 'नेशनल अकाली दल' का गठन किया था लेकिन भ्रष्टाचार में डूबी अकाली दल की राजनीति उन्हें रास नहीं आई, इसीलिए अपने पिता जत्थेदार त्रिलोचन सिंह के पदचिन्हों पर चलते हुए उन्होंने अपनी राह राजनीतिक दलों से अलग कर आम लोगों की आवाज बनने का फैसला किया।

वर्ष 1995 में पम्मा ने 16 वर्ष की उम्र में अपने पिता के साथ अपने पहले विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था और उसके बाद से वे निरन्तर जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। समाज की भलाई के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की बदौलत अनेक सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने तो उन्हें सम्मानित कर उनका और उनके साथियों का समय-समय पर हौंसला बढ़ाया ही है, पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित सहित अनेक दिग्गज राजनीतिज्ञ भी उनके सामाजिक कार्यों की सराहना कर चुके हैं। कुछ वर्ष पूर्व ब्रिटेन में सिख समाज की पगड़ी के मुद्दे को लेकर पम्मा और उनके संगठन ने महारानी एलिजाबेथ के भारत आगमन पर उन्हें काले झंडे दिखाए थे, जिसके बाद अंततः ब्रिटेन सरकार ने उनको पत्र लिखकर कहा था कि उनकी मांग को स्वीकार कर पगड़ी का सम्मान किया जाएगा। वह 2010 में भारतीयों पर हुए नस्ली हमलों के खिलाफ आस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री केविन रड का पुतला जलाते हुए बड़ा विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा 2012 में उन्होंने अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक गुरुद्वारे में हुई गोलीबारी के खिलाफ प्रदर्शन करके भी अपने गुस्से को दुनिया के समक्ष अभिव्यक्त किया था। कुछ वर्ष पूर्व एक प्रमुख भारतीय टीवी न्यूज चैनल ने उनकी जीवन यात्रा पर एक वृत्तचित्र प्रसारित किया था और हाल ही में कुछ पंजाबी गीतकारों और गायकों ने उनके व्यक्तित्व पर कुछ गीत भी फिल्माए हैं।

भारत के सबसे एंग्री मैन का खिताब दिए जाने के बारे में बात करने पर पम्मा बताते हैं कि उनके गुस्से की वजह सिस्टम है और उनके अंदर सिस्टम के खिलाफ गुस्सा है। दरअसल आज देश का किसान, जवान मर रहा है, आम आदमी परेशान है, बच्चों को स्कूल में दाखिला नहीं मिल रहा है, पैट्रोल, डीजल तथा सभी खाद्य पदार्थ महंगे हो रहे हैं, इन सब मामलों पर उन्हें गुस्सा आता है। वह एक आम आदमी हैं और जब कोई आम आदमी किसी भी वजह से परेशान होता है तो उन्हें गुस्सा आता है। आम आदमी की ऐसी ही परेशानियों के विरोध में आक्रामक तरीके से किए जाने वाले विरोध प्रदर्शनों में उनका यही गुस्सा परिलक्षित होता रहा है और इसी गुस्से के साथ दिल्ली की सड़कों पर लगातार आम आदमी की आवाज बुलंद करने के कारण ही उन्हें देश के सबसे गुस्सैल व्यक्ति के खिताब से नवाजा गया। वह बताते हैं कि उनका गुस्सा लोगों पर निर्देशित नहीं है बल्कि यह सिस्टम पर, सरकार पर और मुद्दों पर निर्देशित होता है। वह कहते हैं कि अब सरकारों की आदत बन गई है कि जब तक कोई परेशान होकर आवाज नहीं उठाता, वह नहीं सुनती।

सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी ईमानदारी और समर्पण को देखते हुए हालांकि उन्हें दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों सहित कई राजनीतिक दल अपनी पार्टी में शामिल होने का न्यौता कई अवसरों पर दे चुके हैं लेकिन पम्मा का कहना है कि उनका उद्देश्य सीधे तौर पर किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होकर अपने राजनीतिक हित साधना नहीं है बल्कि जनता के हित की आवाज सड़कों पर उठाकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करके ही उन्हें मानसिक सुकून मिलता है। प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, प्रत्येक छात्र के लिए महाविद्यालय में प्रवेश का प्रावधान करना, युवाओं के लिए सोशल मीडिया का दुरूपयोग बंद करना इत्यादि उनके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल हैं। बातचीत के दौरान वह बताते हैं कि इन ढ़ाई दशकों में विरोध प्रदर्शनों के कारण उन्होंने कई बार पुलिस की लाठियां खाई हैं, वाटर केनन की मार झेली है, अपने साथियों के साथ अनेक बार गिरफ्तारियां दी हैं लेकिन वे अपने इरादों पर अडिग रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि उन्हें सबसे ज्यादा गुस्सा किस पर आता है, वह तपाक से कहते हैं 'पाकिस्तान'। दरअसल उनके मुताबिक उन्हें दो चीजों पर सबसे ज्यादा गुस्सा आता है, पहला, महंगाई और दूसरा, जब पाकिस्तान हमारे फौजियों को शहीद करता है। पम्मा कहते हैं कि वह पूरे दिल से विरोध-प्रदर्शन करते हैं और जब मामला पाकिस्तान का आता है तो उनकी आवाज सबसे तेज होती है और वह शब्दों में बयान नहीं कर सकते कि जब वह पाकिस्तान के खिलाफ या भारतीय सेना से जुड़े किसी मुद्दे पर प्रदर्शन करते हैं तो कितने गुस्से में होते हैं।

राजधानी की मुख्य सडकों की बदहाल स्थिति

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

(चारो तरफ खुदा ही खुदा हैं)

आँखों के अधिक पास और अधिक दूर से कुछ नहीं दिखाई देता। देखने के लिए अपने हिसाब से दुरी रखी जाती हैं तभी दिखाई देता हैं पर राजधानी में प्रदेश का मुखिया, प्रशासन, नगर प्रशासन होने के बावजूद सरकारें अंधी गूंगी बहरी और नपुंसक जैसी हैं।

वह राजा जो प्रसन्न होने पर किसी को पुरुस्कार न दे सके और कुपित होने पर दंड न दे सके उसके क्या कहते हैं ?नपुंसक ! जी हाँ इसमें इस बात को कहने में क्या हर्ज़ हैं। ?सब बड़ी बड़ी बातें तो करते हैं पर कोई किसी के विरोध में कार्यवाही करने में डरते हैं। कारण मात्स्य न्याय हैं बड़ी मछली छोटी मछली को खा रही हैं। और चुने हुए नेता दया के पात्र हैं और अधिकारी दीन, दुखी, असहाय। राजधानी एक प्रकार से इन दिनों महागांव बन गया है। शहर के अंतरग हिस्सों में सड़कें नहीं हैं, हमें कभी कभी राजधानी कहने में शर्म महसूस होती हैं। गांव जैसे सड़कें लापता, सड़के हैं तो गढ्ढा युक्त, उखड़ी और यदि जानकारी न हो तो वाहन के साथ आप चालक भी दुर्घटना ग्रस्त हो जाए।

कितने उदाहरण दिए जाए बी आर टी एस, आदि जीते जागते उदाहरण हैं। आप आज ही सावरकर सेतु से उतरकर गणेश मंदिर से रेलवे स्टेशन हबीबगंज की यात्रा करे तब आपको समझ में आएगा की ये क्या हैं ?सड़क गढ्ढा युक्त और इतने बड़े खतरनाक गढ्ढे की थोड़ी सी चूक से आप दुर्घटना ग्रस्त हो सकते हैं, इस सड़क पर कितना आवाजाही होती हैं और किसी को कोई फ़िक्र नहीं, बेचारी बी आर टी एस सड़क रोती हैं की कोई मेरा उपयोग नहीं कर रहा हैं और अब तो उस पर गेट भी लग गए हैं। जहाँ पर दो व्यक्ति बसों के स्वागत के लिए खड़े रहते हैं पर उसका जन सामान्य उपयोग नहीं कर सकता, जबकि सड़के भीड़ से भरी हैं और बी आर टी एस सूनी हैं। मजेदार बात यह हैं की नगर निगम, लोक निर्माण विभाग आदि इसकी देखरेख के लिए हैं पर उनको यह देखने की फुर्सत नहीं हैं, क्या मजाक हैं ?किस बात का टेक्स लिया जाता हैं, मात्र महापौर पार्षदों औरअफसरों की सुख सुविधाएं के वास्ते। मंत्री जी कोई चिंता नहीं, सडकों पर चलना नहीं, हवा हवाई रहते हैं और उनको चिंता नहीं, और चलेंगे तो सरकारी गाड़ी में तो उनका कोई नुक्सान थोड़े होता हैं, क्या करे राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री को आना हो तो सड़के पहले हेमामालिनी जैसे बन जाती हैं अब प्रज्ञा साध्वी जैसी ही बन जाय तो वो ही बहुत हैं। पर नहीं पूरा शहर खुदा खुदा हैं, जहाँ भी देखो खुदा खुदा हैं और शहर खुदा की खुदाई से खुदा पड़ा हैं। जब सब कुछ खुदा की मर्ज़ी से होना हैं तो खुद खुदा ही सुधारेगा खुदी सडकों को। जब नेता ही सब खुदा बन गए और कहते हैं हमें खुदागंज नहीं जाना हैं। और जायेंगे तो खुद नहीं जायेंगे खुदा के बन्दे भी साथ जायेंगे, खुदागंज में अकेले क्या करेंगे आदत जो बन गयी हैं कम से कम पांच होते हैं, चार कांधा देने, एक मटकी पकड़ने और एक लेटने। यह देश प्रदेश शहरों की दुर्दशा के लिए ये बिना कमर के नेता जो भीगी बिल्ली बनते हैं पार्टी और बजनदार नेताओं से और भौकते हैं अफसरों को जिनकी चमड़ी भी उनके जैसे मोटी हो चुकी हैं। पता नहीं क्या दशा दुर्दशा इनकी होती हैं की पद पर आने पर कोई नहीं सुनता इनकी। कारण समझ से परे हैं। पर इतना मालूम हैं सब चोर चौर मौसेरे भाई हैं। भारत भवन जैसे महत्वपूर्ण भवन भी अपनी दुर्दशा के आंसू बहा रहा हैं। किस किस की बात करे। पता नहीं स्थानीय प्रशासन, शासन का अमला साल भर क्या करता हैं ?क्या बजट की कमी या ठेकदारों से कमीशन के कारण सड़कें ख़राब बनना, बिना सोच समझकर बनाना, या सरकारी धन को बेमुरब्बत खरचा करना। वैसे यह सच हैं की यदि सरकारें एक बार में मजबूत सड़कें बना दे तो अगले वर्ष क्या खाएंगे। इसीलिए खाना खाने की व्यवस्था जरुरी हैं। क्या करे प्रदेश मेकुपोषण की बीमारी हैं पर नेताओं, ठेकेदारों के द्वारा लोहा सीमेंट, रेत मिटटी तक हजम हो जाती हैं, नेताओं का पेट कभी नहीं भरता पर हमें उनके खाने से कोई तकलीफ नहीं पर हमको तो आवागमन का साधन बढ़िया चाहिए कारण हम टेक्स रोड टेक्स भरपूर मन मुताबिक देते हैं फिर सुविधाओं में कमी क्यों।

नेता क्यों न सुनें जनता की आवाज?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति परेश उपाध्याय ने एक स्थानीय मामले में ऐसी बात कह दी है, जिससे सिर्फ गुजरात ही नहीं, संपूर्ण भारत का लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने गोधरा के एक नागरिक प्रवीणभाई को तो न्याय दिलवाया ही, साथ-साथ उन्होंने देश के नेता और पुलिसतंत्र के कान भी खींच दिए हैं। हुआ यह कि गोधरा के विधायक और जिलाधीश को प्रवीणभाई पर यह गुस्सा था कि वे बार-बार उन पर आरोप लगाते हैं कि वे आम लोगों की शिकायतें भी सुनने को तैयार नहीं होते। जनता के आवश्यक और वैधानिक काम को पूरा कराना तो और भी दूर की बात है। गोधरा के विधायक और सरकारी अधिकारी उनसे इतने ज्यादा नाराज हुए कि विधायक सी.के. राओलजी के पुत्र से उनके खिलाफ एक प्रथम सूचना रपट (एफआईआर) थाने में दर्ज करवा दी गई। उसी रपट के आधार पर उन्हें एक पुलिस एक्ट के तहत जिला बदर या तड़ीपार या देसनिकाले का आदेश दे दिया गया। प्रवीणभाई को अदालत की शरण में जाना पड़ा। अभी अदालत ने इस मामले में अपना अंतिम फैसला नहीं सुनाया है लेकिन पहली सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति उपाध्याय ने सरकार से कहा है कि ''आपको रजवाड़े नहीं चलाने हैं। यह लोकतंत्र है। आप लोगों को बोलने से नहीं रोक सकते।'' उन्होंने जिलाधीश और स्थानीय विधायक को फटकार लगाई और कहा कि आपके स्थानीय लोग यदि आपसे सवाल नहीं पूछेंगे तो किससे पूछेंगे? अपने नागरिकों का पक्ष लेने के बजाय जिलाधीश ने विधायक के बेटे के दबाव में आकर तड़ीपार का आदेश जारी कैसे कर दिया? इस आदेश को जो कि गुजरात पुलिस एक्ट (1951) की धारा 56 (9) के तहत जारी किया गया था, अदालत ने निरस्त कर दिया है। इस धारा के अंतर्गत उन लोगों को शहर या गांव-निकाला दे दिया जाता है, जिनके वहां रहने से सांप्रदायिक दंगों, गुंडई या अराजकता फैलने की आशंका हो। अब इन नेताओं और नौकरशाहों से कोई पूछे कि नागरिकों की शिकायतों, आग्रहों या आरोपों से उनके शहर की कौनसी शांति भंग होती है? हां, उनकी मानसिक शांति जरुर भंग होती है। इसीलिए किसी मतदाता की व्यक्तिगत शिकायत सुनना और उसे दूर करना तो बड़ी बात है, आजकल जनता दरबार की परंपरा भी लगभग समाप्त है। मैं तो कहता हूं कि प्रधानमंत्री और सभी मुख्यमंत्री सप्ताह में एक-दो दिन खुला जनता-दरबार जरुर लगाएं, ऐसा पक्का प्रावधान सारे देश में लागू किया जाए। चुने जाने के बाद सभी नेताओं का रंग बदल जाता है।

वे जनसेवक से जनमालिक बन जाते हैं। वे जनता के नौकर बनने की बजाय नौकरशाहों के नौकर बन जाते हैं। नौकरशाहों और नेताओं की जुगलबंदी के नक्कारखाने में जनता की आवाज मरियल तूती बनकर रह जाती है। अगर कोई तूती थोड़ा भी बोल पड़ती है तो नेता और नौकरशाह की मिलीभगत उसका गला दबाने के लिए टूट पड़ते हैं।

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अत~ मूलत~ इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अत~ दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुत~ जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है। मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं। भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अत~ वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अत~ निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

खुँखार बिल्ली के गले में घण्टी बाँधने का सामुहिक प्रयास....!

ओमप्रकाश मेहता

यदपि अभी नरेन्द्र भाई मोदी के प्रधानमंत्रित्व की दूसरी पारी का आधा समय ही व्यतीत हुआ है, आगामी लोकसभा चुनाव में अभी तीस महीनों से भी अधिक का समय शेष है, किंतु देश के गैर भाजपाई दलों की सक्रियता बढ़ गई है, जिसका नेतृत्व अपने प्रदेश में मोदी-शाह को जबरदस्त शिकस्त देने वाली ममता बैनर्जी कर रही है, ममता जी ने अभी से सभी प्रतिपक्षी दलों को मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास शुरू कर दिये है, उनकी पांच दिन की दिल्ली यात्रा का यही एकमात्र मकसद था, उन्हें कांग्रेस सहित अन्य प्रतिपक्षी दलों के नेताओं का जो सहयोग मिला उससे ममता काफी प्रसन्न है, वे पश्चिम बंगाल के चुनावी मॉडल के माध्यम से देश का अगला लोकसभा चुनाव लड़वा कर मोदी-शाह को शिकस्त देना चाहती है। दिल्ली में सोनिया गांधी और केजरीवाल आदि से जो उन्हें सकारात्मक सहयोग का आश्वासन मिला, उससे वे काफी खुश व उत्साही भी है, उनका कहना है कि अभी तो यह शुरूआत है, उनका मुख्य मकसद देश के सभी विपक्षी दलों को एकजुट कर के 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ना है तथा पश्चिम बंगाल का मोदी-शाह विरोधी परिदृष्य पूरे देश में पैदा करना है, इसके लिए उन्होंने कमर कस ली है और दिल्ली यात्रा से उन्होंने शुरूआत भी कर दी है, धीरे-धीरे वे पूरा देश का दौरा कर देश के सभी गैर भाजपाई दलों को एकजुट कर अगले चुनाव में मोदी के सामने चुनौति खड़ी करेगी उन्हें दिल्ली यात्रा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल व एनसीपी के शरद पवार का जो समर्थन मिला, उससे वे काफी उत्साहित है। उनका मूल मकसद बंगाल मॉडल के आधार पर भाजपा को टक्कर देकर संसद की लगभग 375 सीटों पर सीधे मुकाबले की चुनौती खड़ी करना है। क्योंकि देश में लोकसभा की करीब 375 सीटों पर भाजपा का वर्चस्व है, इनमें से 200 सीटों पर भाजपा की कांग्रेस से सीधी टक्कर होती रही है, इसलिए ममता की सोच है कि इन दौ सौ सीटों पर पूरा प्रतिपक्ष कांग्रेस को सहयोग करें, वहीं कांग्रेस उन राज्यों में दखल न दे जहां भाजपा की अन्य दलों से सीधी टक्कर होती रही है।

ममता ने जो अपनी रणनीति तैयार की है, जिस पर वे अन्य प्रतिपक्षी दलों से सहयोग मांग रही है, वह यह है कि भाजपा की मजबूती वालें राज्यों में भाजपा प्रत्याशी को संगठित सामुहिक प्रतिपक्षी प्रत्याशी द्वारा सीधे समर्थन देकर सीधी टक्कर तथा भाजपा शासित राज्यों में सभी प्रतिपक्षी दलों का एक प्रत्याशी भाजपा को सीधी टक्कर दे तथा पूरे देश में ''नो वोट टू बीजेपी'' का नारा बुलंद करके जन समर्थन प्राप्त किया जाए। ममता की धारणा यह भी है कि कांग्रेस अपना पूराना वर्चस्व पुनः कायम कर राष्ट्रीय स्तर पर मुख्य प्रतिपक्षी दल बना रहे। साथ ही भाजपा के धार्मिक व साम्प्रदायिक भावनात्मक नाटक का पर्दाफॉश कर उसे उसकी वास्तविकता दिखाई जाए।

अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान यद्यपि ममता जी ने प्रधानमंत्री मोदी से भी भेंट की, किंतु अपने चीर-परिचित तैवर बरकरार रखे, जिसका इजहार उन्होंने मोदी से भेंट के बाद पत्रकारों के सामने किया। उनकी दलील थी कि सिर्फ देश का 33 फीसदी वोट पाकर भाजपा सत्ता में है, जबकि शेष 67 प्रतिशत वोट आपस में बंटा है, उसे एकजुट कर मोदी को शिकस्त देनी है। ममता अपने संकल्पों को मूर्तरूप देने के लिए लोकसभा चुनावों का इंतजार नहीं करना चाहती, वे तो निकट भविष्य में होने वाले साल राज्यों के विधानसभा चुनावों में ही इन्हें आजमाना चाहती है, जिससे भाजपा के पैर उखाड़ने की शुरूआत हो सके? उन्होंने इसी सन्दर्भ में गैर-भाजपाई क्षेत्रिय दलों पर भी पूरा भरोसा जताया है तथा वे चाहती है कि कांग्रेस भी क्षेत्रिय दलों पर पूरा भरोसा करें। इस प्रकार कुल मिलाकर ममता जी संयुक्त प्रतिपक्षी दल की नैत्री बनने का प्रयास कर रही है और फिलहाल तो सभी प्रतिपक्षी दलों ने उन्हें पूरा समर्थन करने का भरोसा भी दिलाया है।

फिलहाल उत्तरप्रदेश के दोनों मुख्य प्रतिपक्षी दलों व सपा तथा सपा ने अपने पत्ते नहीं खोले है, किंतु वे ममता के प्रति उदार भाव अवश्य रखते है, जैसा कि उनके संकेतों से स्पष्ट हो रहा है।

अब सबसे अहम् सवाल यह है कि यह सब फितरतबाजी वही कर सकता है, जो अपने राज्य के दायित्वों से थोड़ी फुर्सत में हो और फिलहाल ममता जी इस मामले में भाग्यशाली है, उन्हें अपने राज्य की कोई विशेष चिंता नहीं है, वहां हालही में चुनाव हुए है, इसलिए कोई राजनीतिक बंदिश या मजबूरी भी नहीं है।

कुल मिलाकर फिलहाल ममता जी सभी गैर-भाजपाई दलों का नेतृत्व कर केन्द्र की मौजूदा भाजपा सरकार (खुँखार बिल्ली) के गले में घण्टी बाँधने का सपना संजोये है, अब उन्हें इस कार्य में किससे कितनी सहायता मिलती है, यह भविष्य के गर्भ में है पर फिलहाल तो परिदृष्य उनके समर्थन में ही नजर आ रहा है।

‘कुमकुम भाग्य’ को अपना दूसरा घर मानती हैं ‘आलिया’ बनी रेहाना पंडित

ज़ी टीवी बेहद फेमस शो कुमकुम भाग्य को फैंस काफी ज्यादा पसंद करते हैं. शो के ट्वीस्ट को फैंस हमेशा ही पसंद करते हैं. इन दिनों शो में प्रज्ञा का एक नया अवतार देखने को मिल रहा है. कहानी के नए मोड़ के आने से फैंस को शो ने एक बार फिर से अपनी तरफ खींचा है.

कुमकुम भाग्य की कहानी अभि (शबीर अहलुवालिया), प्रज्ञा (सृति झा), आलिया (रेहना पंडित), तनु (लीना जुमानी), रणबीर (कृष्णा कौल) और प्राची (मुग्धा चापेकर) के आस पास घूमती है. शो काफी समय से दर्शकों का पसंदीदा सीरियल बना हुआ है. हाल ही में इस शो में दो साल का लीप आया, जिसने सभी को चैंका दिया है और सभी यह जानने को उत्सुक हो गए कि अब इन किरदारों की जिंदगी में आगे क्या होगा! दर्शकों ने देखा कि कैसे सभी का भाग्य बदल गया है, खास तौर पर रेहना द्वारा निभाए जा रहे आलिया के किरदार में तो एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है. शो के नए रूप को लेकर एक्ट्रेस बेहद उत्साहित भी हैं. पिछले साल आलिया के रोल में आने के बाद से रेहना ‘कुमकुम भाग्य‘ के सेट पर बढ़िया वक्त गुजार रही हैं और अब वो इसे अपना दूसरा घर मानने लगी हैं, रेहना ने हाल ही में बताता है, ‘‘जहां बीते कई सालों से ‘कुमकुम भाग्य‘ दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है, वहीं मुझे पिछले साल ही इस शो में शामिल होने का मौका मिला, जब शिखा ने अपने बच्चे को जन्म देने के बाद इस शो को छोड़ा था तो सच कहूं तो जब से मैं इस शो में आई हूं, सबकुछ अच्छा हो रहा है. एक्ट्रेस ने कहा कि जहां शुरुआत में मैं शिखा की जगह आने में कतरा रही थी तो वहीं अब मुझे लगता है कि मैंने अब आलिया का किरदार पूरी तरह अपना लिया है. हालांकि, एक्टिंग के अलावा सभी कलाकारों के साथ मेरा शूटिंग का अनुभव भी शानदार रहा.

पूरे ‘कुमकुम भाग्य‘ परिवार ने मेरा दिल से स्वागत किया और अब मैं बढ़िया लोगों के ग्रुप की सदस्य हूं. असल में इस शो में शबीर अहलुवालिया और सृति झा जैसे स्टार एक्टर्स भी हैं, लेकिन सेट पर उस तरह से कोई भी सामने नहीं आता है, सभी एक परिवार की तरह हैं, बड़े विनम्र और दयालु हैं और हम सब साथ मिलकर बहुत मस्ती करते हैं. एक्ट्रेस ने कहा कि हमारे बीच वाकई एक मजबूत रिश्ता बन गया है, और ‘कुमकुम भाग्य‘ मेरे दूसरे घर की तरह बन गया है. यहां कोई भी जजमेंटल नहीं है या आपके काम के बीच में नहीं आता, बस वो आपको आपका सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं।

आलिया भट्ट अभिनीत गंगूबाई काठियावाड़ी ओटीटी पर नहीं होगी रिलीज

आलिया भट्ट बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मानी जाती हैं। काफी कम समय में उन्होंने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी है। इस साल वह निर्देशक संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर लाइम लाइट में रही हैं। हाल में आलिया ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी की है। मौजूदा हालात को देखते हुए इस फिल्म की डिजिटल रिलीज की खबरें भी सामने आई थीं। अब खबर है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फिल्म ओटीटी के बजाय सीधे थिएटर में रिलीज होगी। कहा जा रहा है कि भंसाली फिल्म को थिएटर में रिलीज करने का मन बना चुके हैं। सूत्र ने कहा, जिस तरह आलिया की गंगूबाई काठियावाड़ी बनी है, उसके परिणामों को लेकर भंसाली बेहद खुश हैं। उन्हें लगता है कि दृश्यों और इमोशन के पैमाने पर गंगूबाई काठियावाड़ी उनकी अब तक की सबसे बड़ी और सर्वश्रेष्ठ फिल्म है। सूत्र ने बताया कि फिल्म को किसी भी कीमत पर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं किया जा सकता है। जब पूछा गया कि यदि कोरोना महामारी के हालात जस के तस बने रहते हैं, तो क्या होगा। इसका जवाब देते हुए सूत्र ने कहा, भंसाली फिल्म की रिलीज के लिए इंतजार करने को तैयार हैं, चाहे इसमें कितना भी समय लगे। यह बड़ा बजट और भंसाली का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, इसलिए वह फिल्म को थिएटर में रिलीज करना चाहते हैं। गंगूबाई का असली नाम गंगा हरजीवनदास था, जो गुजरात के काठियावाड़ी की रहने वाली थीं। उन्हें 16 साल की उम्र में अपने पिता के अकाउंटेट से प्यार हो गया था और वह उससे शादी करके मुंबई भाग आई थीं। कहा जाता है कि उनके

कितनी देर तक ब्रश करना चाहिए और कितनी देर तक दांतों को साफ करना चाहिए, जानें

ओरल हेल्थ यानी मुंह की स्वच्छता और सफाई हमारी सेहत का एक अहम हिस्सा है। क्या आप जानते हैं कि मुंह को ठीक ढंग से साफ न करने की वजह से आपको हृदय रोग भी हो सकता है? इसलिए अगर आप फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं तो मुंह की सफाई भी बेहद जरूरी है। लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी होते हैं तो बहुत ज्यादा रगड़कर ब्रश करते हैं या फिर बहुत देर तक दांतों को घिसते रहते हैं- ये सोचकर कि उनके दांत साफ और सफेद हो जाएंगे। लेकिन हकीकत ये है कि ये सारी चीजें ब्रशिंग से जुड़ी कॉमन गलतियां हैं।

कितनी देर तक ब्रश करना चाहिए?: अमेरिकन डेंटल एसोसिसएशन की मानें तो हर व्यक्ति को रोजाना दिन में 2 बार ब्रश करना चाहिए और हर बार 2 मिनट से ज्यादा दांतों को साफ नहीं करना चाहिए। अगर आप 2 मिनट से कम समय लेते हैं तो दांतों में जमा प्लाक को हटा नहीं पाएंगे। 2009 की एक स्टडी की मानें तो ज्यादातर लोग ब्रश करने में सिर्फ 45 सेकंड का समय लेते हैं। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिन्हें ब्रश करने में बहुत अधिक समय लगता है क्योंकि वे लंबे समय तक दांतों को रगड़ते रहते हैं। ऐसा करने से दांतों का इनैमल खराब हो जाता है।

कैसा टूथब्रश यूज करना चाहिए?: अपने दांतों को साफ करने के लिए आपको सॉफ्ट ब्रिसल्स वाले टूथब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए। बहुत हार्ड ब्रिसल्स वाले ब्रश की वजह से न सिर्फ दांतों का इनैमल क्षतिग्रस्त हो जाता है बल्कि मसूड़ों से जुड़ी दिक्कतें भी हो सकती हैं। इसलिए अगर ब्रश के ब्रिसल्स खराब होने लगें तो उन्हें तुरंत रिप्लेस कर देना चाहिए।

कैसा टूथपेस्ट इस्तेमाल करना चाहिए?: आपको ऐसे टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें फ्लोराइड की सही मात्रा हो। वयस्कों के टूथपेस्ट में 1350 पीपीएम फ्लोराइड होना चाहिए तो वहीं 6 साल से कम उम्र के बच्चे के टूथपेस्ट में 1000 पीपीएम फ्लोराइड होना चाहिए। 3 से 6 साल के बच्चों को मटर के दाने के बराबर टूथपेस्ट का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

ब्रश करने का सही समय क्या है?: कुछ डेंटिस्ट हर बार कुछ खाने के बाद ब्रश करने की सलाह देते हैं। लेकिन दिन में 2 बार एक बार सुबह और एक बार सोने से पहले दांतों को साफ करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा किसी तरह के एसिडिक फूड या ड्रिंक का सेवन करने के तुरंत बाद ब्रश न करें क्योंकि एसिड की वजह से दांत के इनैमल कमजोर हो जाते हैं और ब्रश करने पर हट जाते हैं।

क्या माउथवॉश यूज करना चाहिए?: अगर आप ऐसे माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं जिसमें फ्लोराइड है तो दांतों में सड़न की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। लेकिन ब्रश करने के तुरंत बाद माउथवॉश का इस्तेमाल न करें क्योंकि टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने के बाद दांतों पर जो फ्लोराइड जमता है माउथवॉश उसे बहा ले जाता है।

देशभक्ति से लबरेज अजय देवगन की फिल्म भुज का ट्रेलर रिलीज

बीते दिन अजय देवगन ने अपनी फिल्म भुज का टीजर रिलीज किया था, जो कि मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। अजय ने खुद सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फिल्म का ट्रेलर ही दर्शकों में ऐसा उत्साह और रोमांच भर देने वाला है कि इसे देखने के बाद हर कोई फिल्म के लिए बेहद बेसब्र होने वाला है। आइए देखते हैं कैसा है भुज का ट्रेलर।

अजय ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर कर लिखा, जब बहादुरी आपकी ढाल बन जाती है तो हर कदम जीत की ओर बढ़ता है। अब तक की लड़ी गई सबसे बड़ी लड़ाई की अनकही कहानी का अनुभव लें। ट्रेलर में

देशभक्ति से भरे डायलॉग की भरमार दिख रही है, वहीं, फिल्म के जबरदस्त एक्शन दृश्य रोमांच पैदा कर देते हैं। एक बार फिर से अजय देवगन सैनिक की भूमिका में दर्शकों को खुश करते दिखाई दे रहे हैं। फिल्म के बारे में बात करें तो इसकी कहानी एक ऐसे जांबाज एयरफोर्स अधिकारी की है, जिसने ना सिर्फ पाकिस्तान के हमले से अपने एयरबेस की सुरक्षा की, बल्कि जरूरत पड़ने पर उसने आसपास के गांवों की सैकड़ों महिलाओं की टोली बनाई और रातों-रात पूरे एयरबेस का नक्शा ही बदल दिया। अजय फिल्म में एयरफोर्स अधिकारी विजय कार्णिक का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म 13 अगस्त को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। भुज में अजय के अलावा संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा, एमी विर्क, नोरा फतेही और शरद मल्होत्रा भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। संजय, रणछोड़दास पागी और सोनाक्षी, सुंदरबेन जेठा के किरदार में नजर आएंगी।

सीरियल साथ निभाना साथिया के प्रीक्वल का टाइटल होगा तेरा मेरा साथ रहे

साथ निभाना साथिया टीवी का चर्चित सीरियल रहा है। इस टीवी शो के बाद इसका दूसरा भाग साथ निभाना साथिया 2 प्रसारित हो चुका है। पिछले साल के बाद इस साल भी लॉकडाउन के बाद शो को बंद कर दिया गया था। शो से जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो इस सीरियल के प्रीक्वल प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। साथ निभाना साथिया के प्रीक्वल का टाइटल तेरा मेरा साथ रहे रखा गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साथ निभाना साथिया के प्रीक्वल का टाइटल तेरा मेरा साथ रहे होगा। सीरियल के पहले सीजन में गोपी बहू के रूप में प्रसिद्धि पाने वालीं अभिनेत्री जिया मानेक इसके प्रीक्वल में फिर नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि वह अपने शो में दमदार भूमिका में होंगी, लेकिन नए शो में उनके चरित्र का नाम गोपिका रखा गया है। दर्शक जिया को फिर नए अवतार में देख पाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीरियल के पहले सीजन में जिया के पति की भूमिका निभाने वाले मोहम्मद नाजिम इसके प्रीक्वल में फिर उनके जीवन साथी की भूमिका में दिखेंगे। एक सूत्र ने बताया, इस शो का शीर्षक आखिरकार निर्धारित किया गया है। शो के पात्रों के नाम अलग हैं क्योंकि यह एक अलग कहानी के साथ एक नया शो होगा। इस शो की शूटिंग जुलाई के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। शो का प्रसारण अगले महीने के अंत तक या सितंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकता है। शो की शूटिंग तय शेड्यूल के अनुसार करने के लिए टीम अपनी तैयारियों में जुटी हैं। जिया ने एक इंटरव्यू में इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह शो का हिस्सा होंगी। जिया ने बताया, मेरे पास कुछ प्रोजेक्ट हैं। भाग्य तय करेगा कि मैं किसे सेलेक्ट करूंगी। फिलहाल मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकती। टीवी सीरियल साथ निभाना साथिया का प्रसारण स्टार प्लस चैनल पर होता था।

रोशनी वालिया का कान्स में बजेगा डंका

आपको टीवी शो ‘भारत का वीर पुत्र-महाराणा प्रताप’ की महारानी अजबदी याद हैं? उस किरदार को ऐक्ट्रेस रोशनी वालिया ने निभाया था। रोशनी वालिया उस किरदार से घर-घर मशहूर हो गई थीं। रोशनी वालिया अब कान फिल्म फेस्टिवल को लेकर चर्चा में हैं। उनकी फिल्म ‘आई एम बन्नी’ अब कान फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीन की जाएगी। रोशनी वालिया इसे लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। रोशनी वालिया ने कहा कि वह ऐसी कॉन्टेंट बेस्ड फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं। बता दें कि ‘आई एम बन्नी’ साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है जो पढ़ना चाहती है। फिल्म की कहानी ‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ पर आधारित है। रोशनी वालिया ने अपने करियर की शुरुआत विज्ञापनों से की थी। इसके बाद वह 2012 में टीवी शो ‘मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की’ में नजर आईं। यह उनका पहला लीड रोल था। इसके बाद रोशनी वालिया ने ‘बालिका वधू- कच्ची उमर के पक्के रिश्ते’, ‘देवों के देव महादेव’, ‘भारत का वीर पुत्र महाराणा प्रताप’, ‘ये वादा रहा’ और ‘तारा फ्रॉम सतारा’ जैसे टीवी शोज किए। रोशनी वालिया कुछ फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं, जिनमें ‘माय फ्रेंड गणेशा 3’, ‘माय फ्रेंड गणेशा 4’, ‘फिरंगी’ और ‘मछली जल की रानी है’ जैसी फिल्में शामिल हैं। रोशनी वालिया सोशल मीडिया पर काफी पॉप्युलर हैं और उनकी तस्वीरें मिनटों में ही वायरल हो जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 1.1एम फॉलोअर्स हैं।

पुराने योगा मैट को न समझें बेकार, इन तरीकों से करें इसका दोबारा इस्तेमाल

योगा मैट को योग का अहम हिस्सा माना जाता है क्योंकि इस पर योगाभ्यास करना काफी आसान होता है। हालांकि लगातार इस्तेमाल से यह एक समय बाद पुरानी लगने लगती है और कई लोग इसे बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन आप ऐसा न करें और अगर आपके पास कोई पुरानी योगा मैट रखा हुई है तो आप इसका कई बेहतरीन तरीकों से दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए ऐसे ही कुछ तरीको के बारे में जानते हैं।

बतौर फ्लोर रनर करें इस्तेमाल: अगर आपके घर में कालीन नहीं है तो आप उसकी जगह अपने पुराने योगा मैट का इस्तेमाल बतौर फ्लोर रनर कर सकते हैं। योगा मैट का यह इस्तेमाल करने से आपके जमीन पर फिसलने का खतरा काफी कम हो जाएगा। इसके अतिरिक्त इससे फर्श भी कुछ हद तक गंदा होने से बच सकेगा। आप चाहें तो योगा मैट को किनारों से काटकर अपने पसंदीदा आकार में बतौर फ्लोर रनर इस्तेमाल कर सकते हैं।

जार ओपनर की तरह करें इस्तेमाल: अकसर किसी चीज के जार या डिब्बे को खोलना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में आप पुराने योगा मैट का बतौर जार ओपनर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप योगा मैट को गोल आकार में काटकर इसे लिड के ऊपर रखकर घुमाएं। ऐसा करने से जार का ढक्कन आपके हाथ से बार-बार फिसलेगा नहीं और आसानी से खुल जाएगा।

फर्नीचर खिसकाने के लिए पुराने योगा मैट का इस्तेमाल: अकसर ऐसा होता है कि जब घर में किसी फर्नीचर की जगह बदलनी पड़ती है तो इससे फर्श पर खरोंच के निशान पड़ जाते हैं। लेकिन अगर आपके पास पुराना योगा मैट है तो आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। आपको बस इतना करना है कि फर्नीचर के पैरों के आकार के अनुसार योगा मैट को काटें और इसे फर्नीचर के नीचे चिपका दें। इसके बाद फर्नीचर के निशान जमीन पर नहीं पड़ेंगे।

कैम्पिंग के दौरान भी आती है काम: अगर आप यह सोच रहे हैं कि कैम्पिंग के दौरान योगा मैट का क्या काम तो आपको बता दें कि वास्तव में इस दौरान पुरानी योगा मैट आपके काफी काम आ सकती है। आप इसे अतिरिक्त स्लीपिंग मैट की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा खाना खाते समय भी आप इसे सामान के नीचे बिछा सकते हैं। इसी के साथ आप इसका इस्तेमाल कैम्पिंग के दौरान किसी भी जगह पर बैठने के लिए भी कर सकते हैं।

अब ‘नखरेवाली’ बनेंगी सारा अली खान, आनंद एल राय की फिल्म में दिखेंगी ऐक्ट्रेस

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सारा अली खान ने हाल ही में डायरेक्टर आनंद एल राय की फिल्म ‘अतरंगी रे’ की शूटिंग पूरी की है। अब सारा अली खान एक बार फिर उनके प्रॉडक्शन हाउस की अगली फिल्म ‘नखरेवाली‘ में लीड रोल में नजर आएंगी। सारा अली खान ने अक्षय कुमार और धनुष के साथ पहले ही फिल्म ‘अतरंगी रे’ की शूटिंग पूरी कर ली है। एक सोर्स ने खुलासा किया है, ‘सारा अली खान और आनंद एल राय ने पहली अतरंगी रे में काम किया है। दोनों को पहले प्रॉजेक्ट पर काम करने में बहुत मजा आया। एक बार फिल्म आने के बाद दर्शकों को बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिलेगा।’ सूत्रों ने आगे कहा, ‘सारा अली खान को आनंद एल राय की प्रॉडक्शन ने अगली फिल्म के लिए संपर्क किया है। इस फिल्म का टाइटल ‘नखरेवाली’ है। इस फिल्म में वह लीड रोल में नजर आएंगी।’ सोर्स ने आगे कहा कि आनंद एल राय फिल्म का डायरेक्शन नहीं करेंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो सारा अली खान फिल्म ‘अतरंगी रे’ के अलावा डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म ‘द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा’ में काम करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ विकी कौशल हैं। सारा अली खान आखिरी बार फिल्म ‘कुली नंबर वन’ में वरुण धवन के साथ दिखाई दी थीं।

वन-टू-वन

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने पी डाई, हालत गंभीर

108 एमरजेंसी एम्बुलेंस के द्वारा शीघ्र पहुंचाया गया जय रोग अस्पताल ग्वालियर

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भिंड, प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना बुधवार सुबह करीब 8ः00 बजे परिवार के सदस्यों के द्वारा आकाश गोयल पुत्र श्री राम शंकर गोयल उम्र 26 साल,रेखा नगर नई पुलिस लाइन के पीछे वार्ड नंबर 24 को उनकी मां सुबह चाय देने के लिए गई परंतु उन्होंने देखा कि उनका लड़का अस्त-व्यस्त हालत में पड़ा हुआ है बच्चे की ऐसी हालत देखकरआकाश की मां चीखने चिल्लाने लगी, पड़ोसी और परिजनों ने जब पुकार सुनी तो शीघ्र ही सब इकट्ठा हो गए, जब उन्होंने आकाश की हालत देखी तो उन्हें समझते देर नहीं लगी कि आकाश ने डाई पी ली है परिजनों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाश गोयल कुछ दिन पूर्व ही जेल से पैरोल पर छूट कर घर आया हुआ है,जल्दबाजी में परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल भिंड पहुंचे प्राथमिक उपचार देने के बाद आकाश की गंभीर हालत को देखते हुए हैं राकेश को ग्वालियर जय रोग अस्पताल पहुंचाने के लिए डॉक्टर द्वारा तुरंत 108 पर सूचना दी गई, सूचना मिलते ही,मेहगांव थाना 108 के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी और उनके सहयोगी ईएमटी राहुल दंडोतिया ने बिना देर किए शीघ्र जिला अस्पताल भिंड पहुंचे,मरीज राकेश की गंभीर हालत को देखते हुए शीघ्र अति शीघ्र ग्वालियर पहुंचाय, जिससे समय रहते आकाश का इलाज जारी किया गया, जिससे उसकी जान बचाई जा सके।

पेड़ पौधे हमें प्राणवायु देते हैं : समाजसेवी आंकड़ावास

समाजसेवी आंकड़ावास की अगुवाई में किया पौधारोपण

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

रानी। पाली नादाणा ग्राम पंचायत क्षेत्र के नादाणा जोधान गांव में बुधवार को वन महोत्सव के कार्यक्रम तहत वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान समाजसेवी हुकमसिंह आकड़ावास ने नरेगा स्थल पर ग्रामीणों की समस्या सुनकर तुरंत निस्तारण के लिए अधिकारियों से बात की। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी आकड़ावास ने कहां की पेड़ पौधे मानव जीवन का अभिन्न अंग है, इसलिए एक व्यक्ति को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए साथ ही शुद्ध ऑक्सीजन एवं प्राणी जीवो को खतरे से बचाने के पेड़ पौधे लगाना जरूरी है। वहीं समाजसेवी श्रवणसिंह राव ने जन औषधिय पौधों की महता के बारे में बताया। इस मौके पर उपसरपंच पकाराम चौधरी, नथाराम मेघवाल, भरतसिंह खरोकडा समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

शिवपुरी में बाढ़ से मची तबाही में धसा फोरलेन हाइवे,सड़क में समा गया ट्रक

पुष्पांजली टुडे, शिवपुरी(अर्पित गुप्ता)

प्रदेश में लगातार बारिश होने के कारण कई जिलों में बाढ़ आ चुकी है।हालात और भी बिगड़ते ही जा रहे हैं।वहीं शिवपुरी में भी इसी तरह के हालात हैं। शिवपुरी जिले में लगातार हुई बारिश के चलते जिले में डूबे क्षेत्र के कई गांव में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। शिवपुरी के कई गांव बाढ़ के कारण टापू बने हुए हैं। पोहरी गांव के अलावा नरवर और करेरा में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है और कई लोग जलभराव में फंसे हुए हैं। जिन्हें जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने सक्रिय होकर लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया और लोगों को बाढ़ से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं एयरफोर्स और सेना की मदद से भी आज बड़े स्तर से रेस्क्यू किया जा रहा है। शिवपुरी में बाढ़ के बीच फोरलेन हाइवे टूटने की खबर सामने आई है। एबी रोड हाईवे में ट्रक समा गया। शिवपुरी-आगरा मुंबई नेशनल हाईवे की शिवपुरी फोरलेन हाइवे पर सड़क धसकने के चलते ट्रक हाइवे सड़क में समा गया और ट्रक पलट गया। हांलाकि किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। यहां एक बड़ा हादसा टल गया है।

आरक्षण आंदोलन की चरणबद्ध रूपरेखा तैयार

जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी जाएगी, सर्व समाज की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

ग्वालियर, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला महामंत्री महेंद्र सिंह तोमर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दिनांक 3 अगस्त 2021 शाम 5ः00 बजे इंद्रप्रस्थ गार्डन गोला का मंदिर पर सर्व समाज की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता श्री के.डी .सोनकिया जी ने की बैठक में देश की एकता और अखंडता को समाप्त करने वाला जातिगत आरक्षण राजनीतिक लोगों के लिए वोटों का महज हथियार बन गया है इस जातिगत आरक्षण को समाप्त कर गरीबी के आधार पर लागू किया जाए इइस संबंध में सर्व समाज के प्रबुद्ध जनों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए

इस अवसर पर श्री राम बाबू कटारे जी ने कहां कि हमारे जनप्रतिनिधि संसद में बैठकर टेबले ठोकने का काम करते हैं और अपनी मजबूरी का हवाला देकर उचित बात को संसद में नहीं रखते जिसके कारण संसद में गलत निर्णय लिए जाते हैं ऐसे जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर उन्हें चेतावनी दी जाएगी श्री महेश मुद्गल जी ने कहा कि आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर शीघ्र राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़ा किया जाएगा ताकि भारत की प्रतिभाओं का दमन ना हो और देश की एकता को बचाया जा सके

श्री सुरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि राजनेता देश में जातिगत भेदभाव पैदा करते हैं किंतु समाज के लोग भाई चारे के साथ रहते किंतु राजनीतिक दल समाज को तोड़ने का काम करते हैं आगामी समय में समूचे राष्ट्र में आंदोलन खड़ा किया जाएगा

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री के.डी .सोनकिया जी ने कहां थी जनप्रतिनिधि हमारी बात संसद में नहीं रखते तो उनका चुनाव में बहिष्कार किया जाएगा और चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

इस अवसर पर सर्वश्री राकेश आचार्य ,रामकुमार सिंह सिकरवार ,रामबरन शास्त्री जी ,एम एम अंसारी, एमपी भारद्वाज राजीव सिंह भदोरिया, अशोक सिंह तोमर,संजीव शर्मा राकेश सक्सेना, जितेंद्र सिंह कुशवाह, दिनेश मुखरैया ,मुकेश चाहर धर्मेंद्र चौहान , रिशु राजावत सुनील दुबे, सुरेश बाबू शर्मा बृजेश तोमर ,निहाल सिंह चौहान बाबू राठौड़ ,नीलू भदोरिया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र सिंह तोमर एवं आभार व्यक्त महेंद्रसिंह तोमर ने किया

शिवपुरी और श्योपुर में 2 दिन में ही 800 मिमी बारिश हो गई है

भारी बारिश के चलते प्रदेश के ग्वालियर-चम्बल क्षेत्र के 1,100 से अधिक गांव प्रभावित हैं

आर एस रजक, पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी जिले के कोलारस तहसील में लगभग 30 से 40 गांव बाढ़ की चपेट में आए कई गांव में हुआ फसलों को नुकसान तो कहीं दुकानदार एवं लोगों को हुआ लाखों का नुकसान पुल से 12 फीट ऊपर तक बरसाती पानी शिवपुरी जिले में बहने वाली कूनो नदी के पुल से 12 फीट ऊपर तक बरसाती पानी बहा है। भारी बरसात के कारण शिवपुरी का श्योपुर जिले से संपर्क कट गया था। वहीं, पार्वती नदी में भी जोरदार पानी आया है, जिसके कारण बाढ़ के हालात हो गए थे

फसलों को भी काफी नुकसान

शिवपुरी में भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बीती रात से ही बारिश लगातार जारी थी। जिले के सभी नदी-नाले उफान मे रहे । आम रास्ते बंद हो गए । लोग बारिश के कारण अपने घरों में कैद होकर रह गए । खेतों में पानी भर जाने के कारण फसलों को भी काफी नुकसान हुआ है

जिला कलेक्टर से बात कर हालात की जानकारी ली

शिवपुरी में बाढ़ आ जाने के कारण मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जिला कलेक्टर से बात कर हालात की जानकारी ली और उनको आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मौसम विभाग ने बारिश की वर्तमान स्थिति पर प्रेजेंटेशन दिया। पार्वती नदी के कारण बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए Sdrf व ndrf की टीमों को मौके पर भेजा गया । एवं उन्हें सुरक्षित बहार निकाला गया

शिवपुरी जिले एवं कोलारस नगर में बाढ़ से ग्रसित लोगों को समाजसेवियों ने रहने की व्यवस्था करवाई एवं भोजन के पैकेट वितरित किए यह कार्य 2 दिन तक चलता रहा शिवपुरी जिले के भाजपा नेता आकाश शर्मा एवं कोलारस नेता राम सडैया एवं उनकी टीम जिले की कई अन्य लोगों ने भी लोगों के बीच कार्य किये।

फेक्ट्री में काम करने वाली युवती के साथ दुष्कर्म करने बाले फेक्ट्री मालिक को गिरफ्तार किया

ग्वालियर - पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य) हितिका वासल व नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा रवि भदौरिया के निर्देशन व पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर टी आई आलोक सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर टीम ने लोअर व टी शर्ट फेक्ट्री में काम करने वाली युवती के साथ शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी फेक्ट्री मालिक को उसके घर से गिरफ्तार किया ।आपको बता दे कि फरियादिया ने दिनाँक 4/7/21 को आरोपी अमित आर्य निवासी इंदिरा नगर ग्वालियर के विरुद्ध पिछले 7 वर्ष से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व शादी करने से इंकार करने व जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट की थी।

आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 290/21धारा 376 ,506 आईपीसी दर्ज किया ।

आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई त्रिवेणी राजावत , एएसआई शैलेन्द्र सिंह चौहान ,आरक्षक जनक सिंह ,अरुण लोधी अशोक सिंह सिकरवार ,नीलम ,प्रेमलता ,व सरला लोधी शामिल रहे ।

रात भर में दो मीटर बढ़ गई चंबल

सुंदरपुर में डूबने से किशोर की मौत

143.20 मीटर पर पहुंच गया चंबल का जल स्तर

गौरव शर्मा रिपोर्टर,पुष्पांजली टुडे

मुरैना / गांवों में भरने लगा पानी, ग्रामीणों का पलायन जारी, खेतों में भरा पानी, फसल बर्बाद, घर से बेघर हुए सो अलग जिले वासियों के लिए चंबल का पानी आफत साबित होने लगा है। । सुंदरपुर में एक किशोर की डूबने से मौत हो गई है। लोगों की हजारों बीघे जमीन पर उगी फसल बर्बाद हो गई है ,वहीं घर से बेघर होने की नौबत आ गई है। मंगलवार रात को चंबल का जल स्तर 141.20 मीटर था। रात भर में यह दो मीटर तक बढ़ गई। बुधवार, सुबह 8 बजे की रिपोर्ट में यह बढ़कर 143.20 मीटर हो गई। विभाग की माने तो अभी भी लगातार चंबल का जल स्तर बढ़ रहा है चंबल का जल स्तर इतना अधिक बढ़ गया है कि धौलपुर मार्ग पर बना चंबल का पुराना पुल जिस पर कल कलेक्टर व एसपी सहित अन्य अमला पहुंचा था, आज पूरी तरह पानी में डूब चुका है। कई गांवों में पानी घुस गया है जिसकी वजह से ग्रामीण पलायन भी नहीं कर सके हैं। जिला प्रशासन की उन गांवों में पहुंच रही हैं। सुन्दरपुर गांव में पानी में डूबने से एक युवक की मौत बताई जा रही है।

राजस्थान सरकार के विरुद्ध में धरना प्रदर्शन

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

राजस्थान प्रदेश भाजपा प्रदेशध्यक्ष *सतीश पूनिया* एवम् संघठन महामंत्री *चंद्रशेखर * एवम् ओबीसी प्रदेशध्यक्ष *ओमप्रकाश भडाणा के निर्देशानुसार* जिलाध्यक्ष पाली *मंसाराम परमार एवम् ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष पाली हेमंत गादाना* के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन एवम् ज्ञापन दिया गया। पूर्व जिला महामंत्री प्रमेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि *राजस्थान सरकार की जन विरोधी नीतियों, बिजली के बिल में आये दिन बढ़ोतरी, बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिलाओ पर बढ़ते अपराध, केंद्र सरकार द्वारा फ्री में उपलब्ध वेक्सीन का दुरूपयोग करना, व कांग्रेस के प्रदेशध्यक्ष द्वारा ऱक्स्ष्ट के साक्षात्कार में अपने रिस्तेदारो को ज्यादा अंक दिलाने व फर्जी ओबीसी सर्टिफिकेट दिलाने एवम् स्थानीय समस्याओ* को लेकर वर्तमान निक्कमी राजस्थान सरकार के विरुद्ध ओबीसी मोर्चा पाली द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन किया गया एवम् राजस्थान सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए एवम् राज्यपाल के नाम श्रीमान् कलेक्टर साहेब को ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मोके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवम् पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, सभापति रेखा राकेश भाटी, पूर्व उपसभापति मूल सिंह भाटी, पूर्व प्रधान श्रवण बंजारा, एस सी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गणपत मेघवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश मंत्री मुन्ना मकरानी, सुरेश चौधरी, सुनील भंडारी, नारायण कुमावत, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल ओझा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिग्विजय सिंह राठौर, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अज़ीज़ कोहिनूर, जिला प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भंवर चौधरी किसान केसरी, सोमनाथ मंडल अध्यक्ष मुकेश नाहर, प्रताप मंडल अध्यक्ष नरपत दवे, शिवाजी मंडल अध्यक्ष पुखराज बंजारा, महिला मोर्चा विमला मंत्री, मधुबाला, रामकिशोर साबू , लूण सिंह , निशांत दवे, कल्याण सिंह, रामलाल चौहान, कानाराम देवासी, खिम सिंह भाटी, अन्नू सोलंकी, कमलेश मेवाड़ा, तरुण सिंह, फालना से सुजाराम जणवा, गोपाल गुर्जर , देवली आउवा से मनरुपराम देवासी ,वेनाराम चोधरी हेमंत सिंह, हिरा भाई पटेल, गजेन्द्र सिंह, मारवाड़ से कल्याण सिंह, कमलेश माली, सुरेश चौधरी, गजेन्द्र सिंह , मिसरीलाल चौधरी, सोजत से अमरसिंह, कानाराम चौधरी , राजेन्द्र शर्मा, भंवरलाल चौधरी खिवाडा से छोगाराम ,मांगीलाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नव जाग्रति शक्तिपीठ रखौरा पर भारी बारिश के बाबजूद

329 लोगों ने उत्साह के साथ लगवाई वैक्सीन

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

पिछोर अनुभाग अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आगरा के ग्राम रखौरा में स्थित माँ नव जाग्रति शक्तिपीठ पर छटवां वैक्सीनेसन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें भारी बारिश के बीच 329 लोगों ने उत्साह के साथ वैक्सीन लगवाई, इससे पहले आयोजित कैंपों में भी लगभग 1900 लोगों को विना भेदभाव के वैक्सीनेट किया जा चुका है साथ ही लोगों को पौधारोपण हेतु प्रोत्साहित करने के लिए अजब सिंह लोधी सचिव ने वैक्सीनेसन कैंप में आए लोगों को निशुल्क एक-एक पौधा वितरण कराया तथा लोगों को मास्क भी वितरण किए, इसी कारण से लोगों ने ग्राम पंचायत आगरा की सरपंच श्रीमती कामता बाई- रघुवीर सिंह लोधी तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि माँ नव जाग्रति शक्तिपीठ स्थल रखौरा में ही नियमित रूप से वैक्सीनेसन कैंपों का आयोजन कराते रहें आपकी ब्यबस्था से हम क्षेत्रवासी बहुत खुश है,आपके गाँव में अन्य गाँव के लोग वैक्सीनेसन हेतु आते हैं तो किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता है हमें सुविधा से वैक्सीनेसन लग जाती है,आपके यहाँ इस बारिश के मौसम में भी 700-800 लोगों को सुरक्षित बैठने की ब्यबस्था है और साफसफाई के साथ साथ पेयजल की बहुत अच्छी ब्यबस्था है हम ग्राम पंचायत आगरा के आसपास की पंचायतों के सभी ग्रामीणजन चाहते हैं कि नव जाग्रति शक्तिपीठ समिति प्रबंधन ने सानिध्य में वैक्सीनेसन कैंपों का आयोजन चलता रहे जिससे हम क्षेत्रवासियों को वैक्सीन लगवाने में कोई परेशानी न हो, आपको बता दें कि नव जाग्रति शक्तिपीठ रखौरा पर वैक्सीनेसन कैंप आयोजित हों इसके लिए ग्रामीणों ने पंचनामा बना कर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और सरपंच ग्राम पंचायत आगरा को भेज दिया है, उपरोक्त वैक्सीनेसन कैंप में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का ब्यबहार और कार्य बहुत अच्छा रहा है जिसके कारण लोगों ने उपरोक्त टीम के नेत्रत्व में ही वैक्सीनेसन कैंप लगातार आयोजित करने की मांग की है, उपरोक्त वैक्सीनेसन कैंपों में डियुटी कर रहे कर्मचारियों के कार्य एवं ब्यवहार से प्रभावित होकर ग्राम पंचायत आगरा ने ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर फजल अहमद, सीएचओ जवाहर सिंह राजपूत,एएनएम श्रीमती बैजंती बंशकार,आशा सुपरवाइजर श्रीमती लता गुप्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रामकुमारी लोधी, आशा कार्यकर्ता आदि को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया,वैक्सीनेसन कैंप में ब्यबस्थाएं माँ नव जाग्रति शक्तिपीठ रखौरा समिति के सेवादार अजब सिंह लोधी, प्रागीलाल झां,महेंद्र लोधी शिक्षक, बीरेंद्र लोधी, दुर्गसिंह लोधी, रामरतन अहिरवार आदि अन्य सभी सहयोगी जनों द्वारा की जा रहीं हैं।

वन-टू-वन

बाढ़ प्रभावित ग्रामों का भ्रमण करने के बाद इंदरगढ़ एक बैठक का आयोजन

विवेक सेन की रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष आदरणीय सुरेंद्र बुधौलिया जी के निर्देशन में इंदरगढ़ मंडल के मंडल अध्यक्ष रामलखन सिंह गुर्जर ने बाढ़ प्रभावित ग्रामों का भ्रमण करने के बाद इंदरगढ़ एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बाढ़ ग्रस्त गांव कुलैथ ,सुनारी, लांच, अंडोरा, खैरौना घाट ,आदि ग्राम में बाढ़ पीड़ितों की मदद करने के लिए चार टोलियां बनाई खैरोनाघाट ग्राम की टोली में रामलखन गुर्जर मंडल अध्यक्ष इंदरगढ़ रामस्वरूप मंडेलिया मंडल महामंत्री विक्की नगरिया मंडल उपाध्यक्ष दिनेश सेहारे बल्लू बघेल कुलेथ ग्राम की टोली में राजेश दांतरे जी वरिष्ठ भाजपा नेता हरिकिशन कुशवाहा मंडल महामंत्री दुर्गेश बघेल मंडल मंत्री सोनारी ग्राम की टोली में प्रतिपाल यादव मंडल मंत्री अखिलेश सेन मंडल मंत्री राकेश खटीक वरिष्ठ भाजपा नेता एंडोरा ग्राम की टोली में रामलखन गुर्जर मंडल अध्यक्ष निलय नगरिया कमल शिवहरे रामगोपाल साहू चारों टोलिया ग्रामों में पहुंचकर राहत कार्य में जुटी एवं प्रत्येक ग्राम में जहां लोगों की धरने की उचित व्यवस्था हो सकी स्कूल आंगनवाड़ी आदि जगहों लोगों की रुकने की व्यवस्था की एवं इंदरगढ़ से भोजन के पैकेट बनवा कर सभी ग्राम वासियों को वितरित करवाए किसी भी व्यक्ति को भूखा नहीं सोने दिया सभी टोलिया पूरी रात राहत कार्य में लगी रही सेवा ही संगठन है।

खबर दतिया से अरे पुलिस की बुराई करने वालों अब समझ में आ गया होगा शायद

आपको इस बाढ़ की आई आपदा में कौन आप को बचाने की कोशिश कर रहा है

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

दतिया यातायात प्रभारी होतम सिंह बघेल और उनकी टीम लगातार किस तरीके से बैरिकेडिंग कर रही है जिससे कि आप खतरे से आपको बचाया जा सके वही दिनारा रोड रिवैलिडेशन कर दिया गया और झांसी से ग्वालियर जाने वालों को ही सतर्क किया चुंगी के नीचे वेरीगेटम कर यहां डॉक्टर नहीं यहां इंजीनियर भी नहीं किसी लेकिन आपको चारों साइड चाहे आप गोराघाट सिंध नदी पुल को हेलो पुलिस चाहे रतनगढ़ माता मंदिर पर बना पुल को ले लो चाहे अन्य घटनाओं को देख लेना वहां भी आपको पुलिस ही पुलिस नजर आएगी हैं इसलिए पुलिस का हमेशा सम्मान करें धन्यवाद

अभाकियू ने किसानों की समस्याओं को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन!

सोनू कुमार माथुर

एटा जनपद में हुई बरसात के बाद लगातार समस्याओं का सामना कर रहे किसानों की समस्याओं को लेकर के आज अखिल भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल संघर्षी एवं अन्य पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी अंकित अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। आपको बता दें कि जनपद में इस बार रिकॉर्ड तोड़ हुई बारिश से जहां एक और नगर के समीप से बह रही ईशन नदी में जलस्तर बढ़ने से नगरवासी परेशान हैं, तो वहीं दूसरी ओर आस-पास के गांव में किसानों की सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न हो गई है और किसानों का बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। इसी को मद्देनजर रखते हुए आज अखिल भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल संघर्षी एवं अन्य पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी अंकित अग्रवाल को ज्ञापन सौंप किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं बारिश के चलते फसलों में हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की है। अगर जल्द ही इस मांग को नहीं माना गया तो बड़े आंदोलन की चेतावनी भी किसानों द्वारा दी गई है।

एसडीएम के फर्जी हस्ताक्षर से बना लिया आदेश

सोनू कुमार माथुर

एटा कचहरी में एक अधिवक्ता के चैंबर पर बैठने वाले एक व्यक्ति ने एसडीएम के हस्ताक्षर से फर्जी आदेश बना दिया। शिकायत के बाद जांच में मामला पकड़ में आया। जिसके बाद रामनरेश पुत्र गीतम निवासी नगला पुड़िहार थाना कोतवाली देहात ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि उसे गांव में सबमर्सिबल के लिए विद्युत पोल लगवाने थे। जिसकी अनुमति के लिए कचहरी पर मिले एक व्यक्ति से बात हुई। उसने 22 जुलाई को एसडीएम के हस्ताक्षर और मुहर लगा आदेश लाकर दिया। गांव में काम कराने लगे तो कुछ लोगों ने इसका विरोध किया और एसडीएम सदर अलंकार अग्निहोत्री से शिकायत कर दी। एसडीएम ने जांच कराई तो आदेश फर्जी पाया गया।

गृहमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य का लिया जायजा, लोगों से की मुलाकात

दतिया(अर्पित गुप्ता)

मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को दतिया जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया।गृहमंत्री हेलीकॉप्टर से निगरानी कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।इस दौरान उन्होंने बाढ़ में मकानों की छत पर फंसे लोगों के बीच पहुंचे।जहां वे लोगों को हेलीकॉप्टर की मदद से सकुशल बाहर निकलवाए।गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा डबरा से सीधे सिंध नदी पुल पर पहुंचे।जहां उन्होंने पुल की स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासन की तरफ से पंचायत भवनों में ठहराए गए ग्रामीणों के पास पहुंचकर गृहमंत्री ने उनका हाल-चाल भी जाना। इन ग्रामीणों के घरों में बाढ़ का पानी भर गया है, इसलिए इन्हें राहत शिविरों में रोका गया है।प्रशासन की तरफ से दी जा रही खाने-पीने की सुविधा को लेकर भी ग्रामीणों से गृहमंत्री ने जानकारी ली।

इसके साथ ही गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया की नदियों में बढ़ रहे जलस्तर का जायजा भी लिया है।दतिया जिले में जिला प्रशासन के साथ-साथ सेना ने भी बाढ़ के हालात पर काबू करने के लिए मोर्चा संभाल रखा है।फिलहाल किसी भी तरह की जनहानि की कोई खबर नहीं आई है लेकिन नदी किनारे बसे गांव के मकानों जरूर पानी में डूब गए हैं।नरोत्तम मिश्रा ने इस दौरान बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनके भोजन-आवास की समुचित व्यवस्था को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सिंध नदी में बाढ़ के चलते नदी के किनारे स्थित गांव बुरी तरह प्रभावित है।सेना और वायुसेना बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है।वहीं एनडीआरएफ और सीडीआरएफ की टीमें भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है।

नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों का हाल देखने आया हूं हर जगह प्रशासन मौजूद है।घबराने की जरुरत नहीं है, लेकिन लोग अफवाहों से सावधान रहे।जहां जैसी जरुरत पड़ रही है वहां रेस्क्यू हो रहे हैं। गृहमंत्री ने कोटरा,हिनोतिया और बड़ौनकला ग्रामों का दौरा किया।कोटरा हेलीकॉप्टर से पहुंचे जबकि एक जगह वोट से भी पहुंचे।

दतिया से कटा भिण्ड व ग्वालियर का सम्पर्क

MP में बाढ़ ने मचाई तबाही,कागज की तरह बह गया सिंधु नदी पर बना सनकुआ का पुल

दतिया(अर्पित गुप्ता)

मध्यप्रदेश में लगातार मुसलाधार बारिश से बाढ़ की हालत बनी हुई है।लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।वहीं दतिया जिले में सिंध नदी पर बना हुआ पुल कागज की तरह पानी बह गया। यहां दतिया जिले के सेवड़ा में सिंध नदी पर बना सनकुआ का पुल नदी के तेज बहाव में बह गया।इस पुल के ढह जाने की वजह से दतिया का भिंड और ग्वालियर से संपर्क पूरी तरह कट गया है। ग्वालियर-चंबल अंचल में हो रही लगातार बारिश की वजह से पुल एक-एक करके टूट रहे है।मंगलवार को जिले की रतनगढ़ माता मंदिर के नीचे बना पुल सिंध नदी के तेज बहाव के सामने तिनके की तरह ढह गया था।बुधवार की सुबह सेवड़ा में सिंध नदी पर बना सनकुआ तीर्थ का पुल भी नदी के बहाव में धराशायी हो गया।दो दिन में सिंध नदी पर बने हुए दो पुल अब तक धराशाई हो चुके हैं।सनकुआ का पुल टूट जाने की वजह से दतिया का संपर्क भिंड और ग्वालियर से पूरी तरह कट गया है।सनकुआ के पास एक मंदिर भी पानी से घिर गया है।इस मंदिर के अंदर 4 साधु भी फंसे हुए हैं।यहां बता दें कि भारी बारिश ने दतिया के साथ पूरे चंबल क्षेत्र में तबाही मचाई है।सबसे ज्यादा प्रभावित शिवपुरी और श्योपुर जिले हैं। इन दोनों जिलों में कई गांव जलमग्न हैं।कई जगह पर सड़क और रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है जिससे रेल्वे मार्ग एवं सड़क मार्ग से यात्राएं बाधित हो गई हैं।

निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में डेढ़ सैकड़ा से ज्यादा लोगो ने कराया नेत्र परीक्षण

संतोष सिंह भदोरिया, पुष्पांजली टुडे
9179661562

गोरमी। नगर के पोरसा चौराहे के पास डॉक्टर आरके जैन के आवास पर रतनजोत हॉस्पिटल ग्वालियर के सहयोग से नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस नेत्र परीक्षण शिविर में ग्वालियर से रतनजोत हॉस्पिटल से डॉक्टर भसीन की टीम ने डेढ़ सैकड़ा से ज्यादा मरीजों की आंखों का परीक्षण किया एवं उनको निशुल्क दवाई भी दी जिन लोगों को मोतियाबिंद की शिकायत है ऐसे मरीजों का ग्वालियर के रतनजोत आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन किया जाएगा इस अवसर पर नेत्र शिविर के आयोजक डॉक्टर आरके जैन ने कहा किस शोषित पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची समाज सेवा है इस वजह से ही मैं हमेशा इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन समय-समय पर करता रहता हूं और आगे भी इस प्रकार के शिविर आयोजित होते रहेंगे नेत्र परीक्षण शिविर में सुबह 8:00 बजे से ही मरीजों की काफी भीड़ आना शुरू हो गई थी जो कि दोपहर 2:00 बजे तक जारी रही डॉक्टरों ने सभी मरीजों की आंखों का परीक्षण कराया एवं उन्हें आंखों की सुरक्षा के लिए उचित सलाह भी दी।

स्वास्थ्य विभाग में सफाई कर्मचारीय का शोषण बंद नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन कामबंद हड़ताल करेंगे : गुड्डू वाल्मीकि

ब्यूरोदैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन तथा ह्यूमन राइट्स एंड लेवर वेलफेयर एसोसिएशन ट्रस्ट के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट गुडडू संजय वाल्मीकि ने सिविल सर्जन डॉ अनिल गोयल को ज्ञापन सौंपकर सफाई कर्मचारीयों की समस्यायों करने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से एडवोकेट श्री वाल्मीकि ने बताया है कि जिला चिकित्सालय भिंड में पदस्थ आउटसोर्स सफाई कर्मचारीयों को विगत दो माह से बिना किसी कारण के अनिश्चित कटौती कर वेतन का भुगतान किया जा रहा है तथा लगभग 8 पुराने कर्मचारी सहित कोविड-19 में भर्ती किए गए लगभग 15 सफाई कर्मचारीयों को 2 माह से वेतन का भुगतान नही किया गया है जिससे गरीब सफाई कर्मचारीयों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है । राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों के काटे गए वेतन का भुगतान, समय पर वेतन का भुगतान एवं शेष सभी कर्मचारियों को शीघ्र वेतन का भुगतान करने की मांग की है और कहां है अगर अगर सफाई कर्मचारीयों की समस्यायों का निराकरण नहीं किया गया है तो सफाई कर्मचारीयों द्वारा अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल की जाएगी। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव रूपेश पाथरे, प्रदेश मीडिया प्रभारी रजत बंटी पाथरे, जिला अध्यक्ष लालजी करोसिया, अभिषेक, शिवम , विजय , राहुल आदि मौजूद रहे।

रानी उपखंड अधिकारी गोमती शर्मा ने किया वृक्षारोपण का शुभारंभ

नेनाराम सिरवी ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे

रानी पाली । निकटवर्ती खौड कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में बुधवार को महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत बां.बापू ब्लॉक स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रानी उपखंड अधिकारी गोमती शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीम शर्मा ने कस्बे में प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी साख संभाल करने सभी को जिम्मेदारी दी । वही रानी प्रधान श्याम कंवर मेड़तिया ने पेड़ पौधे मानव जीवन का अभिन्न अंग होना बताया। सरपंच दुर्गा दाधीच ने पर्यावरण को खतरे से बचाने के लिए पौधरोपण जरूरी है। गुड़ा एंडला थानाधिकारी रविंद्रपालसिंह राजपुरोहित ने जन औषधि आयुर्वेदिक काढ़ा एवं नीम गिलोय की उपयोगिता के बारे में बताया। पूर्व सरपंच रुपेश दाधीच ने प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ पौधे लगाना जरूरी है इस मौके पर रानी उपखंड अधिकारी गोमती शर्मा, रानी तहसीलदार मादाराम, विकास अधिकारी आवडदान चारण , प्रधान श्याम कंवर, सरपंच दुर्गा दाधिच, प्रधानाचार्य शांति चौहान, प्रधानाचार्य हेमंत दवे, समाजसेवी गिरधारीसिंह बोलागुड़ा, थाना अधिकारी रविंद्रपालसिंह राजपुरोहित, पूर्व सरपंच रुपेश दाधीच, पंचायतराज सहायक अभियंता मनीष मजूमदार, मुकेश सीरवी, उपसरपंच मालमसिंह,सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य जगदीश चंद्र जोशी ,खेतलाजी ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिसिंह मेड़तिया आरआई दलाराम सीरवी, पटवारी सौरभ प्रकाश, जेटीओ चंपालाल मीणा, विक्रमसिंह, वार्ड पंच सोहनलाल सोलंकी, तुलसी कुमावत, देवी कंवर समेत ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नाला भरा होने पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने खुद की सफाई, अधिकारियों की जमकर लगाई क्लास

पुष्पांजली टुडे, अशोकनगर(अर्पित गुप्ता)

हमेशा कार्यशैली को लेकर चर्चा में रहने वाले शिवराज के मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर एक बार फिर सुर्खियां बटोर रहे हैं।अशोकनगर जिले के दौरे पर पहुंचे प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह नगर भ्रमण के दौरान शहर में फैली अव्यवस्थाओं को देखकर नगर पालिका सीएमओ और विद्युत कंपनी के डीई को जमकर फटकार लगाई।इसके बाद प्रभारी मंत्री तोमर ने इन दोनों ही अधिकारियों को फूल की माला भी पहनाई।दरअसल, मामला नगर के विदिशा रोड का है जहां प्रभारी मंत्री के भ्रमण के दौरान पहले तो उन्हें सड़क पर ही खुली तारों की डीपी दिखाई दी।जिसके बाद मंत्री वहां रुक गए मौके पर मौजूद विद्युत कंपनी के डीई श्रवण पटेल को उन्होंने इस लापरवाही का जिम्मेदार मानते हुए फूलों की माला पहनाई।इतना ही नहीं मंत्री तोमर ने फटकार लगाते हुए कहा की पहली बार है इसलिए माला पहनाई है,लेकिन आगे से दूसरी बार लापरवाही देखने को नहीं मिलनी चाहिए।वहीं दो कदम दूर चलने के बाद मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर अपने काफिले से बाहर निकले और उन्हें नाले में कचरा दिखाई दिया।जिससे बारिश का पानी सड़कों पर बह रहा था फिर क्या था मंत्री जी ने अपने हाथों से नाले का पटिया हटाकर उसकी सफाई करना शुरू कर दी।इसके बाद उन्होंने नगर पालिका सीएमओ पीके सिंह को बुलाकर पहले तो फूलों की माला पहनाई, फिर बाद में फटकार लगाते हुए कहा की पहली बार आपको माला पहना रहा हूं।लेकिन दूसरी बार शहर के किसी भी नाले की सफाई नहीं हुई तो आप को बक्सा नहीं जाएगा।

वन-टू-वन

फायर एवं आपदा नियंत्रण दल रहे हमेशा चौकन्नाः वर्मा

ग्वालियर

फायर ब्रिगेड अमला बाढ एवं आपदा राहत के लिए सबसे महत्वपूर्ण दल होता है, इस दल को हमेशा सतर्क व चौकन्ना रहना होता है तथा किसी भी प्रकार की सूचना पर तत्काल मौके पर पंहुचना होता है। इसलिए हमेशा पूरे संसाधनों के साथ सजग रहें और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करें। उक्त विचार निगमायुक्त शिवम वर्मा ने आज मंगलवार को निगम के फायर ब्रिगेड विभाग एवं बाढ एवं आपदा नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों के समक्ष व्यक्त किए।

निगमायुक्त शिवम वर्मा ने निरीक्षण के दौरान विभाग में रेस्क्यू के सारे संसाधनों को देखा तथा किस प्रकार रेस्क्यू करते हैं इसकी जानकारी कर्मचारियों से ली। इसके साथ ही कर्मचारियों से यह भी पूछा कि रेस्क्यू के समय क्या क्या समस्या आती है और कर्मचारियों द्वारा जो भी समस्याएं बताई गई उनके निराकरण के निर्देश फायर ऑफीसर उमंग प्रधान को दिए। निगमायुक्त वर्मा ने कहा कि फायर अमले के सभी कर्मचारी हमेशा ड्यूटी के समय निर्धारित ड्रेस में रहें और अपने सभी संसाधनों को समय समय पर चेक करते रहें जिससे किसी भी आपदा नियंत्रण के समय परेशान न होना पडे। इसके साथ ही अन्य जानकारियां ली। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संजय मेहता, उपायुक्त डा अतिबल सिंह यादव, फायर ऑफीसर उमंग प्रधान सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभावी बीट व्यवस्था से सुधरेगी शहर की सफाई व्यवस्था

ग्वालियर।

शहर की साफ सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी व व्यवस्थित करने के लिए एक वर्ष से बंद चल रही बीट व्यवस्था फिर से प्रारंभ की जाएगी। इस संबंध में 3 दिवस में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दिए। बालभवन के ऑडोटोरियम में आयोजित बैठक में निगमायुक्त वर्मा ने बीट व्यवस्था को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि पहले भी प्रत्येक वार्ड व मोहल्ले एवं गली में सफाई के लिए बीट व्यवस्था थी तथा पूरे शहर में लगभग 700 नवीन बीटें बनाई जाएंगी और प्रत्येक बीट में सफाई कर्मचारी एवं हाथठेला साथ रहेगा और बीट के कर्मचारी का नाम व नम्बर की जानकारी संबंधित क्षेत्र में प्रसारित की जाएगी। जिससे आमजनों को अपने क्षेत्र के सफाई कर्मचारी की जानकारी रहे। निगमायुक्त वर्मा ने इस संबध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चर्चा की तथा बीट व्यवस्था से संबंधित आवश्यक जानकारियां भी प्राप्त कीं और 3 दिवस में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त संजय मेहता, स्वास्थ्य अधिकारी वैभव श्रीवास्तव, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी, किशोर चौहान सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षक उपस्थित रहे।

महिला के साथ चार लोगों ने किया दुष्कर्म

ग्वालियर।

42 साल की महिला ने पांच लोगों के खिलाफ गोला का मंदिर थाने में दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि गैंगरेप करने वालों के साथ एक महिला भी थी। पीड़िता सब्जी बेचती है। आरोपित ने महिला के साथ दुष्कर्म मेला ग्राउंड में किया है। पुलिस आरोपितों को तलाश करने के साथ घटना की वास्तविकता का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। मेला ग्राउंड में सब्जी बेचने वाली महिला रात को बदहबास हालत में गोला का मंदिर थाने पहुंची। पीड़िता ने बताया कि वह सब्जी की दुकान बंद कर रही थी, उसी समय सुरेश, राहुल बासू, व शहजाद आया। इनके साथ एक महिला भी थी। महिला ने सबसे पहले उसके राड मारी। फिर आरोपित उसे घसीटकर अंदर ले गए।

बारिश से पॉश इलाकों की सड़कों पर हुई फिसलन, गड्ढों ने भी बढ़ाई मुसीबत

ग्वालियर

पहले से बदहाल सड़कों की परेशानी से जूझ रहे ग्वालियर शहर के हालात अब और भी ज्यादा बदतर हो गए हैं। बारिश होने के कारण गढ्डों वाली सड़कों पर चलना वाहन चालकों के लिए खासा मुश्किल व जोखिम भरा हो गया है। वहीं इन गढ्डों के कारण सड़क पर होने वाले जलभराव व कीचड़ की फिसलन के चलते लोगों का पैदल चल पाना भी मुश्किल हो गया है। खास बात यह है कि शहर के पाश, सर्वाधिक भीड़भाड़ व सबसे अधिक ट्रैफिक लोड सहने वाली सड़कों के हालात भी बेहत खराब हैं। .हिजीरा ~ बदहाल सड़क के कारण चलना मुश्किल- हजीरा से किलागेट व चार शहर का नाका जाने वाली रोड पर गढ्डे होने के कारण तो वाहन चालकों का चलना मुश्किल होता ही है। सड़क किनारे खड़े होने वाले ठेलों को कारण परेशानी में इजाफा हो जाता है। कीचड़ से सनी सड़क पर चल पाना पैदल लोगों के लिए भी मुश्किल होता है। .सिटी सेंटर~ गढ्डों के कारण हुआ जलभराव- सिटी सेंटर शहर का सबसे पॉश इलाका माना जाता है, लेकिन सिटी सेंटर क्षेत्र की सड़कें भी बुरी तरह से खुदी हुई हैं। यहां अनुपम नगर, पटेल नगर, आयकर आफिस समेत अंदर की सड़कें खुदी हुई हैं। जिसके कारण जलभराव की स्थिति इन सड़कों पर बनी रहती है। लोगों को भारी जोखिम लेकर निकलना पड़ता है।

शिंदे की छावनीः घंटों लगता है जाम

शिंदे की छावनी चौराहे से रामदास की घाटी तक की सड़क बेहद जर्जर अवस्था में है। बड़े-बड़े गढ्डे होने के साथ ही कई स्थानों पर तो सड़क पूरी तरह से ही खुद गई है। यह सड़क अत्यधिक ट्रैफिक लोड सहती है, ऐसे में शाम के समय घंटों जाम के हालात बने रहते हैं। वाहनों की टूटफूट व हादसों का होना यहां आम है। वहीं कटी घाटी व मानसिक आरोग्यशाला चौराहा तक भी सड़क इसी तरह खुदी हुई है। मानसिक आरोग्यशाला चौराहे से आगे जेलरोड निर्माणाधीन है, वहीं बहोड़ापुर सड़क पर भी सड़क जर्जर अवस्था में है। .किृषि विवि से आकाशवाणी~ सरपट सड़क पर खतरनाक गढ्ड़ेसूिर्य नमस्कार चौराहे से कृषि विश्वविद्यालय होते हुए आकाशवाणी तिराहा तक की सड़क का काम बारिश से पहले ही किया गया था, लेकिन इस सड़क पर गहरे-गहरे गढ्डे हो गए हैं। खास बात यह है कि सड़क पूरी तरह से खराब नहीं है, ऐसे में इस सड़क पर वाहन सरपट दौड़ते हैं। ऐसे में गढ्डों का होना और भी अधिक खतरनाक है। आए दिन हादसे होते हैं, कभी भी कोई बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

सिंध नदी रौद्र रूप में, पुल पर आई दरार, ग्वालियर-झांसी हाइवे बंद

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में डबरा से गुजरने वाली सिंध नदी अपने पूरे रौद्र रूप में है। नदी का बहाव लगातार तेज होता जा रहा है। नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। पानी के तेज बहाव के कारण ग्वालियर-झांसी मार्ग पर बने पुल में दरारें आ गई हैं। जिसके कारण ट्रैफिक को बंद कर दिया गया है। जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है। वहीं दतिया और ग्वालियर को जोड़ने वाले गोराघाट पुल पर दोनों जिलों की पुलिस के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। दरअसल ग्वालियर जिले से दतिया जाने वाले ट्रैफिक को रोका नहीं जा रहा है। जिस पर दतिया जिला पुलिस ने कड़ी आपत्ति जताई है। उधर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया एवं डबरा क्षेत्र का निरीक्षण किया है। बाढ़ प्रभावित इलाकों का बोट में बैठकर निरीक्षण भी किया है।

शादी के लिए रिश्ता जोड़कर 2 साल तक रेप

ग्वालियर में बड़ी बहन को देखने आया था छोटी को पसंद किया, जोधपुर, दिल्ली ले जाकर दुष्कर्म किया; अब कहीं और कर ली शादी

ग्वालियर।

शादी के लिए रिश्ता जोड़कर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवक शादी के लिए युवती के घर उसकी बड़ी बहन को देखने गया था, लेकिन उसे रिजेक्ट कर छोटी बहन को पसंद कर लिया। इसके बाद उससे शादी का प्रस्ताव रखकर दोस्ती कर ली। दोस्ती के बाद आरोपी ने नजदीकियां बढ़ाई और होटल ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना इंद्रमणि नगर गोला का मंदिर की है। आरोपी कई बार युवती के साथ दुष्कर्म कर चुका है। जब भी युवती शादी के लिए कहती तो आरोपी उसकी बात को टाल देता था। अभी युवती को पता लगा कि उसने कहीं और शादी कर ली है। इस पर युवती ने गोला का मंदिर थाने में दुष्कर्म की शिकायत की है, जिस पुलिस ने स्नद्धक्रदर्ज कर ली है।

MLB कॉलोनी निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि 2019 में उसकी मुलाकात इंद्रमणि नगर निवासी मयंक पुत्र नत्थूराम से हुई थी। मयंक की मेरी बड़ी बहन से शादी की बात चल रही थी। रिश्ता तय होने से पहले मयंक ने दीदी को मिलने के लिए ग्वालियर के चिड़ियाघर में बुलाया। बड़ी बहन के साथ मैं भी गई थी। मुलाकात के दौरान मयंक ने मुझे पसंद करते हुए बड़ी बहन को रिजेक्ट कर दिया और मुझसे बातचीत करने लगा।

दोस्ती कर विश्वास जीता और शादी का प्रस्ताव रखा

पीड़िता ने बताया कि बातचीत के दौरान आरोपी मयंक ने मेरा विश्वास जीता और मेरे सामने शादी का प्रस्ताव रखा। इसके बाद कई बार घर के बाहर हम दोनों की मुलाकात भी होने लगी। 2019 में ही वह मुझे जोधपुर लेकर गया और वहां पर एक होटल में शादी का वादा कर मेरे साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि जोधपुर से हम दिल्ली गए। यहां भी मयंक ने एक होटल में जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

पीड़िता ने बताया कि जब भी मैं शादी का दबाव बनाती तो वह पहले अपने बड़े भाई की शादी होने की बात कहकर टाल जाता था। इसी बीच पीड़ित युवती के पिता का देहांत हो गया। जब पिता की मौत के गम से उभरी तो पता लगा कि जिससे शादी करने के सपने देख रही थी] उसने एक अन्य युवती से शादी कर ली है। अपने साथ धोखा का पता चलते ही युवती ने गोला का मंदिर थाने में मामले की शिकायत की। थाना प्रभारी गोला का मंदिर दिनेश सिंह ने बताया कि युवती की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी अभी नहीं पकड़ा गया है।

बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस ने खाली बर्तनों के साथ की पदयात्रा

ग्वालियर

मंगलवार को इंदरगंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा बेरोजगारी को लेकर इंदरगंज चौराहा से दाल बाजार नया बाजार लोहिया बाजार होते हुए इंदरगंज थाने पर यात्रा का समापन किया गया। इस मौके पर विधायक डॉ.सतीश सिकरवार ने कहा कि एक तरफ बढ़ती मॅहगाई ने गरीब की कमर तोड़ दी है दूसरी तरफ वेरोजगारी की मार से युवक परेशान हैं । युवाओं को भत्ता नहीं मिल रहा है । इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर देवेंद्र शर्मा, इंदरगंज ब्लॉक के अध्यक्ष राकेश गुर्जर, प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता राम पांडे जी, प्रदेश सचिव सुरेंद्र यादव, शरद यादव, अनूप शिवहरे, शिवम मथुरिया, अवधेश कौरव, विजय बहादुर त्यागी, केदार बरा दिया, प्रमोद जैन, छोटूमंडेलिया, अंकित कटहल, अनूप शिवहरे, डब्बू खान जी, शंकर गांवरा, हिमांशु कीकन एवं कांग्रेस के कई कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

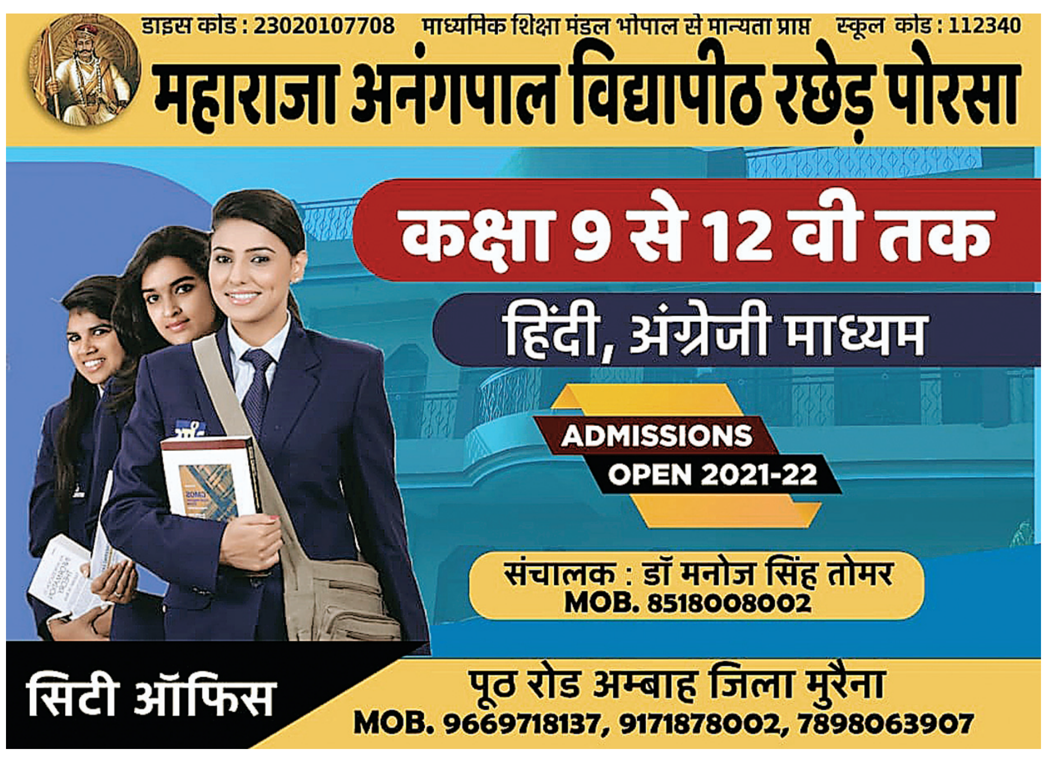

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478